दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 132 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

बुधवार 13 अगस्त 2025 डाक- गुरूवार 14 अगस्त 2025

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान टकराए दो विमान, भीषण आग के बाद मची अफरा-तफरी

वाशिंगटन ,13 अगस्त । अमेरिका के मोंटाना में स्थित कैलिस्पेल सिटी हवाई अड्डे पर एक बड़ा हादसा टल गया। लैंडिंग के दौरान एक छोटा विमान रनवे पर पहले से खड़े एक अन्य विमान से टकरा गया, जिसके बाद दोनों विमानों में भीषण आग लग गई। इस घटना के बाद एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, हालांकि गनीमत रही कि इस हादसे में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, यह घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2 बजे हुई। चार लोगों को लेकर एक सिंगल-इंजन वाला छोटा विमान (सोकाटा टीबीएम 700 टर्बोप्रॉप) कैलिस्प?? सिटी एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह रनवे पर खड़े एक दूसरे विमान से जा टकराया। टक्कर होते ही विमानों ने आग पकड़ ली। चश्मदीदों ने बताया कि एक विमान लैंड करते हुए रनवे के आखिर में दूसरे विमान से टकरा गया। लैंड करने वाले विमान में तुरंत आग लग गई, लेकिन उसमें सवार पायलट और तीन यात्री समय रहते खुद बाहर निकलने में कामयाब रहे। इस हादसे में दो यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जिनका हवाई अड्डे पर ही इलाज किया गया। एक अन्य चश्मदीद ने बताया कि उसने हादसे की जोरदार आवाज सुनी और देखते ही देखते पूरा इलाका काले धुएं से भर गया। बता दें कि पिछले हफ्ते ही अमेरिका के उत्तरी एरिजोना में एक और विमान हादसा हुआ था।

वाह वाह

पति शाम को बहुत उदास होकर घर लौटा

पत्नी- क्या हुआ जी...?

पति- आज हमारे ऑफिस की बिल्डिंग गिर गई और सारे लोग मर गए...!

पत्नी- तो आप कैसे बचे...?

पति- मैं सिगरेट पीने बाहर गया हुआ था...!

पत्नी- चलो शुक्र है भगवान का...!

थोड़ी देर में ही टीवी पर खबर आने लगी कि सरकार ने सभी मृतकों के परिवार वालों को 1-1 करोड़ रुपये देने का फैसला किया है...!

पत्नी गुस्से में- ना जाने तुम्हारी ये सिगरेट की आदत कब छूटेगी...?

पूरी पिक्चर ही पलट गई, इस बार आंदोलन करने नहीं, पीएम मोदी को धन्यवाद देने दिल्ली पहुँचे किसान संगठन

नई दिल्ली13 अगस्त (एजेंसी)। अक्सर दिल्ली की सड़कों पर किसान संगठनों की मौजूदगी का मतलब होता है— नारे, धरना, आंदोलन और सरकार से टकराव। लेकिन इस बार नज़ारा बिल्कुल अलग था। देश के अलग-अलग हिस्सों से आए किसान प्रतिनिधि न तो नाराज़ थे, न ही किसी मांगपत्र के साथ आए थे। वे आए थे धन्यवाद देने— एक ऐसे फैसले के लिए जिसने उनके दिल में भरोसा और चेहरे पर संतोष ला दिया है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी दबाव को नज़रअंदाज़ करते हुए भारत के कृषि और डेयरी बाजार में विदेशी उत्पादों को खुला प्रवेश नहीं देने का जो निर्णय लिया है, उसने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को यह एहसास दिलाया है कि उनके हित अंतरराष्ट्रीय व्यापार सौदों से ऊपर हैं। यह सिर्फ

नीति का सवाल नहीं, बल्कि संबंध और संवेदनशीलता का प्रतीक है। किसानों की यह यात्रा जो महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत देती है वह है- जब सरकार ऐसे फैसले लेती है जो सीधे ग्रामीण समाज के जीवन और आत्मसम्मान को छूते हैं, तो वही लोग जो कभी विरोध के लिए सड़कों पर उतरते हैं, उसी सरकार के समर्थन में भी खड़े हो सकते हैं। यह भरोसा, अगर लंबे समय तक बना रहा, तो आने वाले वर्षों में भाजपा के लिए एक मजबूत राजनीतिक आधार में तब्दील हो सकता है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका को एकदम स्पष्ट कर दिया है कि भारत के किसान, पशुपालक और मछुआरे केवल अर्थव्यवस्था का हिस्सा नहीं, बल्कि देश की आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान के केंद्र हैं। द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के दौरान जब अमेरिका ने भारत के कृषि और डेयरी बाजार में अपने उत्पादों के लिए प्रवेश की मांग रखी, तब मोदी सरकार ने साफ शब्दों में कह दिया कि किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा, चाहे इसकी कितनी भी राजनीतिक या आर्थिक कीमत क्यों न चुकानी पड़े।

देखा जाये तो यह फैसला केवल एक व्यापारिक रणनीति नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के करोड़ों परिवारों के लिए भरोसे का संदेश है। अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25त्न टैरिफ लगाने के बावजूद मोदी सरकार ने कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों की रक्षा की। यह कदम किसानों के साथ-साथ पशुपालकों और मछुआरों को भी यह भरोसा देता है कि सरकार उनकी रोज़ी-रोटी और घरेलू बाजार की रक्षा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

खाटू श्याम से लौटते समय दस श्रद्धालुओं की मौत पिकअप-ट्रक की भीषण भिड़ंत, कई गंभीर रूप से घायल

दौसा,13 अगस्त(एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले में बापी के पास मंगलवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 10 श्रद्धालुओं की जान चली गई, जबकि 9 लोग घायल हो गए। हादसा खाटू श्याम मंदिर से लौट रहे श्रद्धालुओं को ले जा रही एक यात्री पिकअप और ट्रेलर ट्रक की टक्कर से हुआ।

जानकारी के अनुसार, हादसा इतना भीषण था कि पिकअप का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला। स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया।

दौसा के एसपी सागर राणा ने बताया कि हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। लगभग 7 से 8 गंभीर घायलों

को जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया है, जबकि 3 घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तेज रफ्तार के कारण यह भीषण टक्कर हुई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस ने टीमें गठित कर दी हैं। मृतकों के परिजनों को सूचना दी जा चुकी है। प्रशासन ने मृतकों के परिवारों को सांत्वना देते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

डीआरडीओ गेस्ट हाउस का मैनेजर निकला आईएसआई एजेंट, देश के राज कर रहा था पाकिस्तान से शेयर! जांच एजेंसी के चंगुल में फंसा

जयपुर ,13 अगस्त (एजेंसी)। जयपुर के पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी (सुरक्षा) डॉ. विष्णुकांत ने कहा कि आगामी राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले, राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस राज्य के भीतर विदेशी एजेंटों द्वारा की जा रही संभावित राष्ट्र-विरोधी और विध्वंसक गतिविधियों पर सक्रिय रूप से नज़र रख रही है।

इस निगरानी के दौरान, यह पाया गया कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले का निवासी संविदा प्रबंधक सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से संपर्क

कर रहा था। वह कथित तौर पर मिसाइल और हथियारों के परीक्षण के लिए फायरिंग रेंज में आने वाले डीआरडीओ के वैज्ञानिकों और भारतीय सेना के अधिकारियों की गतिविधियों के बारे में गोपनीय जानकारी पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं को मुहैया करा रहा था।

इन खुलासों के बाद, जयपुर स्थित केंद्रीय पूछताछ केंद्र में विभिन्न खुफिया एजेंसियों ने संदिग्ध से संयुक्त रूप से पूछताछ की। उसके मोबाइल फोन की तकनीकी जाँच की गई, जिससे पुष्टि हुई कि वह डीआरडीओ और भारतीय सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी आकाओं के साथ साझा कर रहा था। इसके बाद, 12 अगस्त को महेंद्र प्रसाद, पुत्र चनीराम, उम्र 32 वर्ष के खिलाफ शासकीय गोपनीयता अधिनियम, 1923 के तहत मामला दर्ज किया गया।

पाकिस्तान से जुड़े ड्रग्स रैकेट में 8 तस्कर और गिरफ्तार, अबतक 412.87 ग्राम चिट्टा बरामद

रायपुर,13 अगस्त (एजेंसी)। राजधानी में पाकिस्तान से जुड़े ड्रग्स रैकेट के तार कई इलाकों तक फैले होने का राजफाश हुआ है। मामल में पहले से गिरफ्तार 11 तस्करों और पेडलरों की निशानदेही और उनके मोबाइल से मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 8 और पेडलरों को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक अन्य मामले में कोतवाली पुलिस ने एक युवती सहित तीन पेडलरों को पकड़ा है।

एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने बताया कि ड्रग्स का सेवन और बिक्री करने के आरोप में टिकरापारा ताजनगर निवासी मुजम्मिल खान उर्फ बाबा, राजेंद्र नगर निवासी छत्रपति अम्भोरे उर्फ

दद्दु, मूलतः दरभंगा (बिहार) निवासी रितुराज ठाकुर, टिकरापारा गोकुल नगर निवासी हुसैन खान उर्फ मुर्गी, आजाद चौक निवासी फोरात अब्बास, सुंदर नगर निवासी शिशिर राय, कटोरातालाब निवासी संतोष धनवानी और गोलबाजार निवासी सैय्यद आसीफ अली को गिरफ्तार किया गया है। ये काफी लंबे समय से काम कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार पेडलर न केवल खुद सेवन करते थे, बल्कि पैसों की व्यवस्था के लिए उसकी बिक्री भी करते थे। आरोपियों के मोबाइल डेटा एनालिसिस में इंटर स्टेट कनेक्शन के साथ कई लोगों के इंटरनेशनल लिंक भी सामने आए हैं। पुलिस ने जांच के बाद ऐसे लोगों पर भी शिकंजा कसने की बात कही है।

दूसरे मामले में कोतवाली पुलिस ने टिकरापारा निवासी जाहिद, साहिल रजा और चांदनी चौक निवासी आफजिया अख्तर उर्फ मेहक को गिरफ्तार किया है। मेहक का नाम इससे पहले भी ड्रग्स तस्करी में सामने आ चुका है, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई थी। तीनों को नेहरू नगर बूढ़ातालाब कंटेनर के पास से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से छह ग्राम से ज्यादा हेरोइन जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, पहले चरण की कार्रवाई में आरोपितों के कब्जे से 412.87 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), कई मोबाइल फोन, क्रेटा कार, तौल मशीन, सिल्वर रोल पेपर, हेरोइन पीने में इस्तेमाल जला हुआ नोट, एटीएम कार्ड और चेकबुक जब्त किए गए थे। बरामद हेरोइन की कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई थी।

बीएसएफ ने भारत-पाक बॉर्डर एरिया में पकड़ी 8.50 करोड़ रुपए की हेरोइन

बीकानेर,13 अगस्त (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय भारत-पाक सीमा पर स्थित खाजूवाला कस्बे के 21 बीड़ी गांव के पास बीएसएफ ने नशे की खेप बरामद की है. बीएसएफ बीकानेर की इंटेलिजेंस ब्रांच की खुफिया सूचना के आधार पर उपमहानिरीक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय अजय लूथरा के निर्देशन में खाजूवाला पुलिस के साथ संयुक्त सघन तलाशी अभियान चलाया. इस दौरान 21 बीडी गांव एरिया में 1.665 किलोग्राम मादक पदार्थ (हेरोइन) की जब्ती की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कीमत लगभग 8.50 करोड़ रुपए है. बीएसएफ इंटेलिजेंस ब्रांच को खुफिया सूचना मिली थी कि काउंटरपार्ट की तरफ से भारतीय क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी की जानी है. इसी सूचना के आधार पर ये सर्च अभियान चलाया गया था और इस अभियान के दौरान तस्करी किए जाने वाले सामान को जब्त कर तस्करों के मंसूबों पर पानी फेरा है. इससे पहले भी बीएसएफ बीकानेर की इंटेलिजेंस ब्रांच की सूचना के आधार पर तस्करों के मंसूबों पर पानी फिरा है. गौरतलब है कि बॉर्डर एरिया में लगातार सीमा पार से ड्रोन और अन्य तरीकों से पाकिस्तान नशे की तस्करी के प्रयास करता रहता है और कई बार बीएसएफ और पुलिस ने नशे की खेप को पकड़ा है. बीकानेर सेक्टर मुख्यालय के डीआईजी अजय लूथरा ने बताया कि नशे की खेत को बरामद किया गया है और अब इसको लेकर अनुसंधान किया जाएगा.

सांप के काटने से भाई-बहन की मौत

सुलतानपुर ,13 अगस्त (एजेंसी)। जिले के अखण्डनगर थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। प्रहलाद राजभर के तीन बच्चे सोमवार रात एक तख्त पर मच्छरदानी लगाकर सो रहे थे। इनमें 15 वर्षीय आरुषी, 11 वर्षीय अनन्या और 5 वर्षीय शिवांश शामिल थे। रात करीब 11 बजे एक जहरीला सांप बिस्तर पर चढ़ आया। सांप ने किनारे सो रहे आरुषी और शिवांश को काट लिया। बीच में सो रही अनन्या बाल-बाल बच गई। परिजनों को जब बच्चों की तबीयत खराब होने का पता चला, तो उन्होंने कमरे में सांप को देखा। घायल बच्चों को तत्काल जौनपुर के शाहगंज में एक निजी अस्पताल ले जाया गया।

एसआईआर मुद्दे पर हंगामा, संसद ठप, लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने कागज फाड़कर अध्यक्ष की कुर्सी की ओर फेंके

नई दिल्ली,13 अगस्त (एजेंसी)। संसद के दोनों सदनों में बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर मंगलवार को विपक्ष ने खूब हंगामा किया। इसके चलते लोकसभा और राज्यसभा दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले शाम 4:30 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही फिर हंगामा होने लगा। विपक्षी सांसदों ने कागज फाड़कर अध्यक्ष की कुर्सी की ओर फेंके। इस पर पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई। वहीं,

एसआईआर सहित अन्य मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे की वजह से राज्यसभा की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद तीन बजे विपक्ष के वॉकआउट के बाद चल पाई। वहीं, नेशनल एंटी-डोपिंक (संशोधन) बिल-2025 और नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल- 2025 राज्यसभा से पास हो गया। इसके बाद राज्यसभा भी 18 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में उस समय असहज स्थिति पैदा हो गई, जब विपक्ष के सांसदों ने कागज फाड़कर अध्यक्ष की आसंदी की तरफ फेंके। इस पर पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल पाल ने आरोप लगाया कि विपक्ष के उपनेता अपने सांसदों को आगे आने के लिए उकसा रहे हैं। उन्होंने कहा किर हंगामा कर रहे सदस्यों ने पीठ की तरफ कागज फेंक कर सदन के अध्यक्ष का अपमान किया है। उन्होंने राहुल गांधी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि आप सदन की गरिमा गिरा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर: बारामूला में नियंत्रण रेखा के पास गोलीबारी, सेना का एक जवान शहीद

श्रीनगर,13 अगस्त (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा के पास हुई मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि उरी सेक्टर के चुरंडा इलाके में बुधवार तड़के लगभग साढ़े तीन बजे गोलीबारी हुई। इस मुठभेड़ में एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह बॉर्डर एक्शन टीम का हमला था या चुरंडा इलाके में घुसपैठ की नाकाम कोशिश थी। इस घटना पर सेना या पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक विस्तृत बयान नहीं आया है।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर दंपती से 10 लाख की ठगी, दिया फर्जी नियुक्ति पत्र

कवर्धा ,13 अगस्त (एजेंसी)। कबीरधाम जिला पुलिस ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर दंपती से 10 लाख की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने पटवारी पद पर नौकरी लगवाने का झांसा देकर न केवल मोटी रकम ऐंठी, बल्कि फर्जी नियुक्ति आदेश भी सौंपा। पुलिस ने आरोपी के पास से मोबाइल, परीक्षा प्रवेश पत्र, फर्जी नियुक्ति आदेश और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं।

मामला सामने आने के बाद पुलिस की विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को राजनांदगांव से दबोच लिया। 6 जनवरी 2025 को ग्राम गगरिया खम्हरिया (थाना साहसपुर लोहरा) निवासी गोपेश्वर साहू ने थाने में लिखित शिकायत दी। उन्होंने बताया कि राजनांदगांव के

ममता नगर निवासी असलम खान (39) ने उन्हें और उनकी पत्नी को पटवारी पद पर शासकीय नौकरी दिलाने का वादा किया। विश्वास में लेकर आरोपी ने 10 लाख रुपये लिए और बदले में फर्जी नियुक्ति आदेश सौंप दिया। कुछ समय बाद दस्तावेजों की सच्चाई सामने आने पर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ।

शिकायत पर साहसपुर लोहरा थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 05/2025, धारा 420 भा.दं.वि. के तहत मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान ठगी में फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल की पुष्टि हुई, जिसके बाद आरोपी पर धारा 467, 468 और 471 भा.दं.वि. की धाराएं भी जोड़ी गईं। मामला गंभीर होने के चलते वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई और पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई।

गठित टीम ने आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी। आरोपी असलम खान को राजनांदगांव से हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने पीड़ित दंपती को नौकरी लगवाने का झांसा देकर 10 लाख रुपये ठगे थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने शिकार को अपने जाल में फंसाने के लिए सरकारी प्रारूप से मिलता-जुलता फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार करवाया था। इसे दिखाकर उसने पीड़ित को विश्वास दिलाया कि उसकी नियुक्ति पक्की है। रकम लेने के बाद आरोपी लंबे समय तक टालमटोल करता रहा। जब पीड़ित ने नियुक्ति पत्र की जांच करवाई, तो सारा खेल खुल गया।

छत्तीसगढ़ में ग्रामीणों ने बकरा चोरों को दी तालिबानी सजा, युवकों को बेहोश होने तक पीटा, वीडियो वायरल

बलरामपुर,13 अगस्त (एजेंसी)। बलरामपुर जिले के चलगली थाना क्षेत्र के ग्राम शारदापुर में सोमवार शाम बकरा चोरी की कोशिश कर रहे दो युवकों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। पकड़ने के बाद आक्रोशित भीड़ ने दोनों को लाठी-डंडे और लात-घूंसों से इतना पीटा कि वे बेहोश हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सिविल अस्पताल वाड्रफनगर पहुंचाया।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में दोनों युवकों को भीड़ में शामिल कुछ लोगों द्वारा बेरहमी से पीटते देखा जा सकता है। घटना का वीडियो भीड़ में मौजूद किसी व्यक्ति ने मोबाइल से बना लिया था। यही वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार शारदापुर निवासी महेंद्र सिंह ने सोमवार सुबह अपने घर के बकरे-बकरियों को चरने के लिए खलिहान में बांधकर रखा था। दोपहर में उन्होंने देखा कि एक बड़ा बकरा गायब है। संदेह होने पर उन्होंने अपने भाई उपेंद्र सिंह, संखलाल और अन्य ग्रामीणों के साथ तलाश शुरू की। इस दौरान खबर मिली कि लोलकी चट्टानी इलाके में मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक एक बकरे के साथ देखे गए हैं। सूचना मिलते ही ग्रामीण वहां पहुंचे और बड़कागांव निवासी कार्तिक व सूरज को पकड़ लिया। देखते ही देखते भीड़ जुट गई और आक्रोशित ग्रामीणों ने दोनों को लाठी-डंडे व लात-घूसों से पीटना शुरू कर दिया।

आज से संचालित होगा परसाभांठा नानवेज मार्केट, अब खुले में नहीं बिकेगा मांस मछली

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने बालको जोन के विभिन्न स्थलों का किया दौरा, परसाभांठा नानवेज मार्केट प्रारंभ कराए जाने एवं सड़क पर मांस मछली बेचने वालों को विस्थापित किए जाने के दिए निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर पालिक निगम कोरबा के बालको जोनांतर्गत परसाभांठा बाजार स्थित नानवेज मार्केट बुधवार 13 अगस्त से संचालित हो जाएगा, सड़कों पर मांस मछली का विक्रय करने वालों को वहॉ विस्थापित किया जाएगा, वहीं अब खुले में मांस मछली का विक्रय नहीं होगा। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने आज निगम के बालको जोनांतर्गत विभिन्न स्थलों को दौरा किया एवं परसाभांठा नानवेज मार्केट को बुधवार से संचालित कराए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

यहॉ उल्लेखनीय है कि एक सप्ताह पूर्व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने परसाभांठा नानवेज मार्केट का निरीक्षण कर उसकी तत्काल मरम्मत व सुधार कार्य कराने एवं वहॉ आवश्यक सुविधाएं त्वरित रूप से मुहैया कराकर नानवेज मार्केट संचालित कराए जाने के निर्देश दिए थे, निगम द्वारा उक्त नानवेज मार्केट का मरम्मत, सुधार कार्य कर लिया गया है तथा वहॉ बिजली, पानी जैसी आवश्यक सुविधाएं मुहैया करा दी गई हैं, आज पुन: आयुक्त श्री पाण्डेय अपने प्रात: भ्रमण के दौरान बालको जोन पहुंचे, विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया तथा परसाभांठा नानवेज मार्केट को बुधवार से संचालित किए जाने व सड़कों पर मांस मछली का विक्रय करने वालों को वहॉ पर विस्थापित कराए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होने अधिकारियों से कहा कि सम्पूर्ण नगर निगम क्षेत्रांतर्गत सड़कों पर खुले में मांस मछली का विक्रय न हों, इस हेतु खुले में मांस मछली बेचने वालों का विभिन्न नानवेज मार्केटों में विस्थापन कराएं, उन्हें हिदायत दें कि खुले में नानवेज का विक्रय न करें तथा यह सुनिश्चित कराएं कि पन्द्रह अगस्त के पश्चात खुले में मांस मछली का विक्रय न हों। आयुक्त श्री पाण्डेय ने परसाभांठा चौक को व्यवस्थित करने तथा वहॉ पर अस्थाई दखल करने वालों के समुचित व्यवस्थापन की कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

वूमेन फार ट्री हेतु किया स्थल निरीक्षण - शासन की अभिनव योजना '' वूमेन फार ट्री '' के तहत नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वृक्षारोपण का कार्य किया जाना हैं, आयुक्त श्री पाण्डेय ने बालको जोनांतर्गत '' वूमेन फार ट्री '' के तहत किए जाने वाले वृक्षारोपण हेतु आज स्थल का निरीक्षण किया तथा पौधों के रोपण हेतु गड्ढों को तैयार कर एवं अन्य आवश्यक तैयारियॉ सुनिश्चित कर वृक्षारोपण कराए जाने की त्वरित कार्यवाही किए जाने के निर्देश अधिकारियो को दिए।

सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्थाएं रखें दुरूस्त - आयुक्त श्री पाण्डेय ने बालकोनगर बस स्टैण्ड एवं परसाभांठा बाजार स्थित सार्वजनिक शौचालयों का औचक निरीक्षण किया एवं सघन जायजा लेते हुए उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई कार्य के दौरान एकत्रित कचरे का तुरंत उठाव सुनिश्चित कराएं तथा यह देखें कि स्थल पर नियत समय के बाद कचरा डम्प न रहे। आयुक्त श्री पाण्डेय ने डोर-टू-डोर संग्रहण कार्य में संलग्न स्वच्छता दीदियों से चर्चा की, उनके कार्यक्षेत्रों की जानकारी ली, उपयोग किए जा रहे सफाई रिक्शें में सूखा, गीला वहॉ की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होने शौचालयों की बेहतर साफ-सफाई, परिसर की साफ-सफाई एवं शौचालयों में निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त किए जाने के निर्देश अधिकारियां के दिए।

स्वच्छता दीदियों से चर्चा, सफाई कार्यो का निरीक्षण - भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने बालको जोन की विभिन्न बस्तियों के साफ-सफाई कार्यो एवं वहॉ की स्वच्छता का औचक निरीक्षण किया, सड़को की सफाई, नालियों की सफाई आदि का व डोमेस्टिक कचरे के लिए की गई पृथक-पृथक व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया। उन्होने स्वच्छता दीदियों से कहा कि वे शत प्रतिशत घरों से प्रतिदिन अपशिष्ट का संग्रहण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि अपशिष्ट संग्रहण कार्य से कोई भी घर छूटने न पाएं।

भ्रमण के दौरान बालको जोन कमिश्नर एन.के.नाथ, सहायक अभियंता एम.एल.बरेठ, उप जोन प्रभारी संजय ठाकुर, देवव्रत आदित्य, संतोष साहू, अवध लहरे, रामकुमार राठौर आदि उपस्थित थे।

विभिन्न तिथियों में बंद रहेगा पशुवध कार्य

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर पालिक निगम केरबा क्षेत्रांतर्गत संचालित समस्त वधशालाओं एवं मांस विक्रय की दुकानों को दिनांक 15, 16, 20, 27, 28 अगस्त, 03, 06, 07 सितम्बर को पूर्ण रूप से बंद रखा जाएगा। इन तिथियों में किसी प्रकार का पशुवध न होगा और न ही मांस का विक्रय होगा। निगम द्वारा 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 16 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी, 20 अगस्त को जैन पर्यूषण पर्व प्रथम दिवस, 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी, 28 अगस्त को जैन पर्यूषण पर्व अंतिम दिवस व क्षमा, 03 सितम्बर को ढोल ग्यारस, 06 सितम्बर को अनंत चतुर्दशी एवं 07 सितम्बर को जैन पर्यूषण पर्व में सवंत्सरी व उत्तम क्षमा के विशिष्ट अवसर पर पशुवधगृहों व मांस विक्रय की दुकानों को पूर्ण रूप से बंद रखने तथा किसी भी प्रकार का पशुवध न करने और न ही मांस का विक्रय करने के निर्देश समस्त पशुवधगृह संचालकों व संबंधित दुकानदारों के दिए गए हैं। उक्त तिथियों में यदि किसी भी दुकान में मांस का विक्रय किया जाता है तो मांस जप्त कर संबंधित के विरूद्ध यथोचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

नवोदय कोरबा कक्षा ग्यारहवीं की आवेदन तिथि बढ़ी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 11वीं की आवेदन की तिथि बढ़ाई गई है। कक्षा 11वीं वर्तमान सत्र 2025-26 के लिए विद्यालय में कुल 11 रिक्त सीटों जिसमें से 10 कला संकाय और 01 विज्ञान संकाय के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन सीटों को कोरबा जिले के मान्यता प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा भरा जाना है। जो विद्यार्थी इसी वर्ष कक्षा दसवीं उत्तीर्ण किए हुए हो वे आवेदन कर सकते हैं। आवेदक नवोदय विद्यालय समिति के वेबसाइट से फॉर्म डाउनलोड कर उसे पूर्ण भरकर नवोदय विद्यालय कोरबा की मेल आईडी पर प्रेषित कर सकते हैं या ऑफ्लाइन मोड पर भी आकर जमा कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त है। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर विद्यालय के प्रवेश प्रभारी शिक्षक रामावतार साकरे व शेर अफ्गान से या कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

हर घर तिरंगा महारैली का आयोजन 14 अगस्त को

घंटाघर ओपन थियेटर से निकलेगी महारैली, जिला प्रशासन ने आमजन से की अपील, महारैली में भाग लेकर दें अपनी सहभागिता

कोरबा (छ.ग.गौरव)। हर घर तिरंगा - 2025 कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों की अगली कड़ी में 14 अगस्त को शाम 03 बजे ''हर घर तिरंगा महारैली '' का आयोजन घंटाघर ओपन थियेटर में किया गया है। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन आयोजन के मुख्य अतिथि होंगे तथा महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष व जनप्रतिनिधिगण आयोजन में अपनी विशिष्ट उपस्थिति प्रदान करेंगे, जिला प्रशासन ने आमनागरिकों से अपील की हैं कि वे अधिकाधिक संख्या में इस महारैली में भाग लेकर अपनी सहभागिता प्रदान करें।

यहॉ उल्लेखनीय है कि शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुरूप कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन व निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय व जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश कुमार नाग के दिशा निर्देशन में कोरबा जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में ''हर घर तिरंगा - 2025 '' कार्यक्रम का वृहद आयोजन किया जा रहा है। निगम में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी व उपायुक्त श्री पवन वर्मा ने बताया कि '' हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता - स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग '' की थीम पर आयोजित किए जा रहे इस महाअभियान की अगली कड़ी में 14 अगस्त शाम 03 बजे से कोरबा के घंटाघर ओपन थियेटर में हर घर तिरंगा महारैली का आयोजन किया जाएगा, इस आयोजन में प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करेंगे, वहीं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.पवनकुमार सिंह सहित पार्षदगण व जनप्रतिनिधिगण आयोजन अपनी विशिष्ट उपस्थिति प्रदान करेंगे। महारैली आयोजन में जिले के सभी अधिकारी कर्मचारीगण, छात्र-छात्राएं व आमनागरिकगण महापौर में शामिल होकर अपनी सहभागिता देंगे। जिला प्रशासन द्वारा आमनागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में महारैली में शामिल हों, अपने घरों व दुकानों में पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएं एवं ''स्वच्छता के संग, स्वतंत्रता का उत्सव '' मनाएं।

रजत जयंती वर्ष अंतर्गत दिए गए दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन करें विभाग:कलेक्टर

पीएम आवास निर्माण में गड़बड़ी की शिकायत पर रोजगार सहायकों पर कार्रवाई के दिए निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर अजीत वसन्त ने समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाजों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने लम्बित प्रकरणों पर शीघ्र कार्यवाही करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वसन्त ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और विभागों को दिए गए निर्देशों के तहत आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने विभागों को जिम्मेदारी के साथ रजत जयंती वर्ष में गतिविधियों के आयोजन के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस के पूर्व सभी नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आमनागरिको की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए तिरंगा यात्रा का आयोजन करने के निर्देश

दिये। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों की जानकारी ली और निर्देशित किया कि जिन विभागों को जो जिम्मेदारी दी गई है वे कार्यक्रम स्थल पर गंभीरता से पालन सुनिश्चित करेंगे।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने सभी विभागों को ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलों को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने फाइलों की नस्ती बनाकर संरक्षित रखने के निर्देश देते हुए कहा कि अब जो भी फाइल उनके समक्ष प्रस्तुत की जाती है उसे मैनुअल न प्रस्तुत कर ई-ऑफिस के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत की जाए। कलेक्टर ने अटल डिजिटल डैशबोर्ड के अंतर्गत कम केपीआई वाले विभागों को महत्वपूर्ण इंडिकेटर्स में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रम, नगर निगम,समाज कल्याण विभाग, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य, कृषि विभाग के अधिकारियों को केपीआई के इंडिकेटर्स को ध्यान रखकर कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को पेंशन राशि हितग्राहियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से करने, राजस्व विभाग को विवादित-अविवादित नामान्तरण के निराकरण, सीमांकन, त्रुटि सुधार, वृक्ष कटाई के प्रकरणों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सर्वे में मृत लोगों की जानकारी सामने आने के बाद आयुष्मान कार्ड, राशनकार्ड के डाटा से मृतक के नाम विलोपित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पोड़ी उपरोड़ा सहित कटघोरा,पाली और शहरी क्षेत्रों में शिविर लगाकर आधार अपडेट कराने के निर्देश एसडीएम, जनपद सीईओ को दिए। कलेक्टर ने आधार अपडेट में रुचि नहीं लेने पर संबंधित अधिकारियों पर एक सप्ताह के पश्चात कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने प्रगति नहीं होने पर आधार ऑपरेटर पर भी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने विभिन्न विभाग अंतर्गत टीएल के लिए चिन्हित विषयों भू अर्जन खाता, वन अधिकार पत्र पर डीएफओ के हस्ताक्षर, रेडी टू ईट, रिकॉर्डरूम,आंगनबाड़ी, शासकीय भूमि की रजिस्ट्री निरस्त करने , मड़वारानी मंदिर में पेयजल आपूर्ति,किसान पंजीयन आदि पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने पीएम आवास निर्माण में रोजगार सहायकों के विरुद्ध मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि शिकायत मिलने पर उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने वसूली वाले प्रकरणों में भी कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व प्रकरणों में 5 एवं 3 वर्ष से लंबित प्रकरणों का निराकरण और फौती, नामांतरण के प्रकरणों का शिविर लगाकर निराकरण के निर्देश दिए इस दौरान (प्रशिक्षु आईएएस) एसडीएम कटघोरा तन्मय खन्ना,अभिजीत गुरभेले, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल सहित सभी एसडीएम, जिला अधिकारी और सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा और आपको धन लाभ के नए सोर्स भी नजर आ सकते हैं। आज आपको रोजगार में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, जिनका लाभ उठाकर आप आगे बढ़ सकते हैं। आज आपको परिवार के किसी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज परिवार में सुख-समृद्धि का वातावरण रहेगा। आज आपके पराक्रम और धैर्य में वृद्धि होगी, जिससे लोग आपसे प्रभावित होंगे। आज बेटे की सफलता से घर में खुशी का माहौल बनेगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। आज आपके दैनिक जीवन की गतिविधियाँ अच्छी चलेंगी। आज आपका झुकाव आध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। आज आप परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन काफी अच्छा है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपका काम मन-मुताबिक होगा। आज मित्रों के साथ किसी खास विषय पर बातचीत होगी, जिससे आपको फायदा हो सकता है। आज आप भाई बहनों के साथ शॉपिंग करने जायेंगे, सबके साथ अच्छे से इंजॉय करेंगे। आज आप काम के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आज आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। इस राशि के इंजीनियर्स आज अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे। आज किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आप व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। आज आपको ऑफिशियल पेंडिंग कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक फोकस करना चाहिए, जितना जल्दी हो सके काम को पूरा करने पर ध्यान दें। इस राशि के कंप्यूटर स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है। आज आप जितनी मेहनत करेंगे। आपको उतने ही बढ़िया नतीजे भी मिलेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए बेहद खास है। आज वर्कप्लेस पर आपको किसी कार्य के लिए सहकर्मियों और सीनियर्स की मदद मिलेगी जिससे आपके कार्य पूर्णता की ओर बढ़ेंगे। आज आप व्यापारिक गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने के लिए अपने बिजनेस पार्टनर के साथ मीटिंग कर सकते हैं। आज कपड़ा व्यापारियों को अधिक लाभ होने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए शुभ है। आज व्यापार में आपको अच्छा लाभ होगा। आज नौकरी में आपको प्रमोशन मिलने की संभावना बन रही है, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आप नया वाहन लेने का विचार परिवारजनों से करेंगे। आज पारिवारिक सुख सौहार्द बना रहेगा और संतान से सुख मिलेगा।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके सोचने की क्षमता में तेजी आयेगी और आप पारिवारिक जिम्मेदारियों को अच्छे से निभायेंगे। आज ससुराल पक्ष में कोई मांगलिक आयोजन की सूचना मिल सकती है, जिसमें आप शामिल होंगे, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आप किसी विषय को समझने के लिए सीनियर की मदद ले सकते हैं।

मकर राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। इस राशि के हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखने वाले स्टूडेंट्स के लिये आज का दिन अनुकूल है। आज आपको बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज आपके दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहेगा लेकिन रोजमर्रा के कामों में आपकी व्यस्तता बनी रहेगी।

कुम्भ राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज कोर्ट-कचहरी का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। आज घरेलू जरूरत की चीजों की खरीददारी हो सकती है। आज अचानक आपके घर पर मेहमानों का आगमन हो सकता है। आज आप जो भी काम करने की सोचेंगे, उसे लेकर पॉज़िटिव नज़रिया रखने से सब काम अच्छे से होंगे।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगे, जो आपकी तरक्की में सहायक होंगे। आज आप किसी खेल प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। इस राशि के जॉब कर रहे व्यक्तियों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे हैं। आज आप अपनी बेहतर सोच से हालात को संभालने में सफल रहेंगे।

छत्तीसगढ़ जिला पुलिस बल में आरक्षक संवर्ग पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 27 तक

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर के अंतर्गत जिला पुलिस बल में आरक्षक संवर्ग के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापम) द्वारा लिखित परीक्षा आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया एवं परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ शासन, गृह (पुलिस) विभाग एवं पुलिस महानिदेशक, छत्तीसगढ़ द्वारा प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर व्यापम ने संभावित परीक्षा कार्यक्रम निर्धारित किया है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी व्यापम की पर पंजीयन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 27 अगस्त 2025 (बुधवार) सायं 5:00 बजे तक, परीक्षा तिथि 14 सितम्बर (रविवार) ,प्रवेश पत्र जारी होने की तिथि 08 सितम्बर 2025 (सोमवार), परीक्षा केन्द्र राज्य के 05 संभागीय मुख्यालयों में निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थियों को आवेदन के समय परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा। छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार, राज्य के स्थानीय निवासी अभ्यर्थी जो परीक्षा में सम्मिलित होंगे, उनका परीक्षा शुल्क व्यापम द्वारा उसी बैंक खाते में वापस कर दिया जाएगा, जिससे भुगतान किया गया है।विस्तृत जानकारी, पात्रता मापदंड, परीक्षा शुल्क एवं अन्य दिशा-निर्देश व्यापम की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से कोरबा का घर-घर बन रहा ऊर्जा आत्मनिर्भर

केशरवानी परिवार ने सौर ऊर्जा से पाई बचत और पर्यावरण सुरक्षा की दोहरी सौगात

कोरबा (छ.ग.गौरव)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है। इस योजना का लक्ष्य है हर घर को स्वच्छ, नवीकरणीय और किफायती ऊर्जा से जोड़ना, जिससे न केवल बिजली बिलों में बचत हो, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को सीधे राहत पहुंचाने और सतत विकास के लक्ष्य भी पूरे हों। इसी सोच और उद्देश्य को साकार करते हुए, कोरबा जिले के आर.पी. नगर निवासी मनोज केशरवानी और उनकी पत्नी श्रीमती अन्नपूर्णा केशरवानी ने सौर ऊर्जा अपनाकर आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक लाभ की प्रेरक मिसाल पेश की है।

मनोज केशरवानी, जो वर्षों से बिजली बिल के खर्च से परेशान थे, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी मिलने पर तुरंत इसमें जुड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने घर की छत पर 2 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल लगवाया। इस पर उन्हें केंद्र सरकार से रूपये 78 हजार की सब्सिडी मिली, जिससे आर्थिक बोझ काफी कम हो गया। अब उनके घर में दिनभर सूर्य की किरणों से उत्पन्न बिजली का उपयोग होता है, जिससे उनका मासिक बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है।योजना से पहले हर महीने आने वाले बिजली बिल से परिवार का बजट प्रभावित होता था। लेकिन सोलर पैनल लगने के बाद अब वे इस राशि की बचत अन्य आवश्यक कार्यों में कर पा रहे हैं। अब न केवल बिल से मुक्त हैं, बल्कि अतिरिक्त ऊर्जा को ग्रिड में देकर क्रेडिट भी प्राप्त कर रहे हैं। यह योजना उनके जीवन में आर्थिक, मानसिक और पर्यावरणीय - तीनों स्तरों पर सकारात्मक बदलाव लेकर आई है।इस योजना ने केशरवानी परिवार को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाया है, साथ ही वे पर्यावरण संरक्षण में भी अहम योगदान दे रहे हैं। सौर ऊर्जा के उपयोग से हर साल कई टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित भविष्य की दिशा में बड़ा कदम है।

श्री मनोज और श्रीमती अन्नपूर्णा केशरवानी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा -हम हृदय से धन्यवाद देते हैं कि हमें इतनी लाभकारी योजना का हिस्सा बनने का अवसर मिला। इससे न केवल हमारे घर की ऊर्जा जरूरतें पूरी हो रही हैं, बल्कि हम देश के सतत विकास में भी भागीदार बन रहे हैं। उन्होंने अन्य नागरिकों से भी अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाकर अपने घर को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाएं और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें।

पीएम सूर्यघर योजना के तहत पूरे देश में लाखों परिवार अपनी छत पर सौर पैनल लगाकर न केवल बिजली बिल से छुटकारा पा रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी अर्जित कर रहे हैं। कोरबा जिले में भी यह योजना तेजी से लोकप्रिय हो रही है और अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ रहे हैं।

कार्यालय, नगर पालिक निगम,कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र./निर्माण/2025 दिनांक 06.08.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	नगर पालिक निगम, कोरबा क्षेत्रांतर्गत पं. रविशंकर नगर जोन अंतर्गत 08 शासकीय स्कूलों में किचन शेड का निर्माण कार्य। (जि.ख.न्या.मद) (प्रथम निविदा)	36.00	03.09.2025 (T.No.173290)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

कार्यपालन अधिकारी
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

आप नेता सौरभ भारद्वाज नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

रांची में स्वतंत्रता दिवस से पहले तिरंगा यात्रा में भाग लेते लोग।

गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर लिमचागाड के गंगनानी के पास घाटी पुल का निर्माण कार्य चल रहा है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की शिकायतें सुनते हुए।

नई दिल्ली में मदर टेरेसा रोड पर तेज रफ्तार सफेद थार से एक व्यक्ति की मौत और एक अन्य के घायल होने के बाद घटनास्थल पर मौजूद पुलिस कर्मी और फोरेंसिक विशेषज्ञ।

भारतीय नौसेना का जहाज (आईएनएस) संध्याक राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर सिंगापुर के चांगी नौसेना बेस पर

अमेरिका में मौसम की मार, तूफान से एक की मौत, जेल से फरार हुए सैंकड़ों कैदी

वॉशिंगटन ,13 अगस्त (एजेंसी)। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बताया कि शनिवार को पूर्वी विस्कॉन्सिन के कुछ हिस्सों में भी तेज तूफान आया, जिससे राज्य के डोर प्रायद्वीप में 97 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

अमेरिका के पूर्वी नेब्रास्का में शनिवार को आए तेज तूफान ने एक महिला की जान ले ली और एक अन्य व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि जेल के क्षतिग्रस्त होने से सैकड़ों कैदी भाग गए, जिनकी तलाश की जा रही है। नेब्रास्का के साथ ही कई अन्य राज्य भी खराब मौसम का सामना कर रहे हैं। अग्निशमन विभाग ने बताया कि नेब्रास्का के टू रिवर्स पार्क में एक गाड़ी पर पेड़ गिर गया। जिससे गाड़ी में सवार महिला की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। घायल को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जेल टूटने से फरार हुए कैदीतूफान के दौरान 129 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार की हवाएं चलीं। जिससे जगह-जगह पेड़ उखड़ गए। घरों की छतें क्षतिग्रस्त हो गईं और कई जगह बिजली के तार टूट गए, जिससे बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई। नेब्रास्का की राजधानी लिंकन में तूफान के चलते राज्य जेल की दो आवास इकाइयां क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे 387 कैदी फरार हो गए। पुलिस

ने बताया कि फरार कैदियों का पता लगा लिया गया है और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बताया कि शनिवार को पूर्वी विस्कॉन्सिन के कुछ हिस्सों में भी तेज तूफान आया, जिससे राज्य के डोर प्रायद्वीप में 97 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।कई अन्य राज्यों में भी तूफान का खतरामौसम सेवा ने बताया कि शनिवार रात से रविवार तक देश के मध्य भाग में और भी तेज तूफान आने की आशंका है, जिससे पश्चिमी कोलोराडो से लेकर कंसास, नेब्रास्का, आयोवा, उत्तरी मिसौरी और इलिनोइस व विस्कॉन्सिन आदि इलाके प्रभावित रहेंगे।

परमाणु हथियारों के खात्मे की प्रतिबद्धता, नागासाकी पर हमले की 80वीं बरसी पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

नागासाकी ,13 अगस्त(एजेंसी)। भेदभाव और विकिरण से होने वाली बीमारियों की पीड़ा सहने के बावजूद हमले से बचे लोगों ने परमाणु हथियारों को खत्म करने के साझा लक्ष्य के लिए सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि शनिवार को जहां एक तरफ इस हमले की बरसी मनाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर दुनिया विपरीत दिशा में जा रही है। जापान के नागासाकी में अमेरिका की तरफ से किए गए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी पर स्मृति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हमले में जीवित बचे लोग इस दिशा में काम कर रहे हैं कि दुनिया के किसी भी हिस्से को परमाणु हमले का सामना न करना पड़े।

गाजा पर कब्जे की इस्राइल की योजना के खिलाफ तुर्किये, कहा- एकजुट होकर काम करें मुस्लिम देश

अंकारा ,13 अगस्त (एजेंसी)। इस्राइली सुरक्षा परिषद ने गाजा पर कब्जे की योजना को मंजूरी दी थी। इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि कैबिनेट ने पांच सिद्धांतों को अपनाया है। इस्राइल के इस फैसले की तुर्किये और मिस्र ने निंदा की है।

गाजा पर कब्जा करने की इस्राइल की योजना के खिलाफ तुर्किये उतर आया है। तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने इस्राइल के फैसले कर निंदा करते हुए कहा कि सभी मुस्लिम देशों को एकजुट होकर काम करना चाहिए। साथ ही इस्राइल की योजना का वैश्विक स्तर पर विरोध किया जाना चाहिए। मिस्र ने भी इस्राइल के फैसले की निंदा की। हालांकि इस्राइल ने गाजा में कब्जे की योजना से इनकार किया है। मिस्र में राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी और विदेश मंत्री बद्र अब्देलअत्ती से मुलाकात के बाद तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने कहा कि यह इस्राइल की नरसंहारकारी और विस्तारवादी नीतियों का एक नया दौर है। इसे रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर उपाय करने की जरूरत है। इसलिए हमने इस्लामिक सहयोग संगठन (ह्लढ्ढष्ट) को आपातकालीन बैठक के लिए बुलाया है।

फिदान ने कहा कि इस्राइल की नीति का उद्देश्य फलस्तीनियों को भुखमरी के जरिये उनकी जमीन से बाहर निकालना है। साथ ही गाजा पर स्थायी रूप से हमला करना है।

फिदान ने कहा कि मुस्लिम देशों के पास इस्राइल का समर्थन करने का कोई बहाना नहीं है। वहीं मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलअत्ती ने कहा कि यह भी बेहद खतरनाक है। यह न केवल फलस्तीनियों के लिए खतरा है बल्कि पड़ोसी देशों के लिए भी खतरनाक है। इस्राइल की योजनाएं अस्वीकार्य हैं। गाजा पर तुर्किये के साथ पूर्ण समन्वय है। उन्होंने ओआईसी मंत्रिस्तरीय समिति के इस्राइल की योजना की निंदा के बारे में जानकारी दी। इस्लामिक सहयोग संगठन ने भी की निंदाओआईसी समिति ने कहा कि इस्राइल की योजना एक खतरनाक और अस्वीकार्य वृद्धि, अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन और अवैध कब्जे को मजबूत करने का प्रयास है। यह शांति के किसी भी अवसर को नष्ट कर देगा। ओआईसी ने वैश्विक शक्तियों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा है कि वे अपनी कानूनी और मानवीय जिम्मेदारियों को समझें। इस्राइल की गाजा पर कब्जे की योजना को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करें। साथ ही अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के लिए तत्काल जवाबदेही सुनिश्चित करें।

हाल ही में इस्राइली सुरक्षा परिषद ने गाजा पर कब्जे को मंजूरी दी थी। इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि कैबिनेट ने पांच सिद्धांतों को अपनाया है। इसमें हमास का निरस्त्रीकरण, शेष बचे सभी 50 बंधकों की वापसी, गाजा पट्टी का विसैन्यीकरण, गाजा पट्टी पर इस्राली सुरक्षा नियंत्रण और एक वैकल्पिक नागरिक सरकार का अस्तित्व।

अमेरिका ने पाकिस्तान को दिखाई उसकी औकात, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री का इस्लामाबाद दौरा रोका

इस्लामाबाद,13 अगस्त (एजेंसी) । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1988 के तहत गठित समिति तालिबान से जुड़े लोगों की यात्रा, संपत्ति और हथियार प्रतिबंधों की निगरानी करती है। तालिबानी नेताओं को अफगानिस्तान से बाहर जाने के लिए यूएनएससी से यात्रा प्रतिबंध में छूट की जरूरत होती है। अमेरिका ने एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी हैसियत का अहसास कराया है और अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की पाकिस्तान यात्रा रोक दी है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा तालिबान के नेताओं पर लगाए गए यात्रा प्रतिबंध में छूट को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। जिसके चलते अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी को अपनी पाकिस्तान यात्रा टालनी पड़ी। इसके साथ ही

अमेरिका ने दिखा दिया है कि भले ही वह दुनिया की दिखाए कि पाकिस्तान उसका सहयोगी देश है, लेकिन असल में अमेरिका, पाकिस्तान पर अपनी दादागिरी चलाता है और उसकी विदेश नीति को नियंत्रित करता है।पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संबंध सुधारने की कवायद को लगा झटकापाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री का पाकिस्तान दौरा 4 अगस्त को प्रस्तावित था। यह दौरा अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत हो रहा था। इससे पहले पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार काबुल दौरे पर गए थे। इशाक डार के पाकिस्तान दौरे की व्यवस्था चीन ने की थी, उस दौरे पर ही अफगानिस्तानी विदेश मंत्री के पाकिस्तान दौरे पर सहमति बनी थी, लेकिन पाकिस्तान और चीन की इस पूरी कवायद पर अमेरिका ने पानी फेर दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1988 के तहत गठित समिति तालिबान से जुड़े लोगों की यात्रा, संपत्ति और हथियार प्रतिबंधों की निगरानी करती है। तालिबानी नेताओं को अफगानिस्तान से बाहर जाने के लिए यूएनएससी से यात्रा प्रतिबंध में छूट की जरूरत होती है। चीन के अफगानिस्तान में बढ़ते दबदबे से अमेरिका परेशान पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि वाशिंगटन ने अपने फैसले को आखिरी समय तक टाला और आखिरकार छूट देने से इनकार कर दिया, जिससे यात्रा रद्द हो गई। माना जा रहा है कि तालिबान सरकार की चीन के साथ बढ़ती नजदीकियों से परेशान होकर अमेरिका ने यह फैसला किया। अमेरिका नहीं चाहता कि अफगानिस्तान में चीन का दबदबा बढ़े। हालांकि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इन खबरों को महज अफवाह बताया, लेकिन अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की यात्रा रद्द होने की कोई ठोस वजह भी नहीं बताई।

रूस के साथ क्षेत्रीय अदला-बदली नहीं करेगा यूक्रेन, जेलेंस्की ने ठुकराया ट्रंप का प्रस्ताव

कीव ,13 अगस्त (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्टपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने साफ कहा है कि उनका देश किसी भी हाल में रूस को अपनी जमीन नहीं देगा। यह बयान उन्होंने तब दिया, जब अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए इलाकों की अदला-बदली का सुझाव दिया था। जेलेंस्की ने इस सुझाव को दृढ़ता से खारिज कर दिया है।जेलेंस्की ने शनिवार को कहा, यूक्रेन कभी भी कब्जा करने वाले को अपनी जमीन नहीं देगा। हम रूस को उसके किए का कोई इनाम नहीं देंगे। जेलेंस्की ने वास्तविक और स्थायी शांति की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा कि लक्ष्य हत्याओं पर विराम नहीं, बल्कि तत्काल एक वास्तविक और स्थायी शांति है।यह बयान उस समय आया जब यूक्रेन और यूरोप के शीर्ष अधिकारी, अमेरिका के उपराष्टपति जे.डी. वेंस से इंग्लैंड के केंट शहर में मिले। इस बैठक में युद्ध खत्म करने के कूटनीतिक रास्तों पर चर्चा हुई। इस बैठक में यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, फ़िनलैंड और पोलैंड सहित प्रमुख यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि शामिल थे।जेलेंस्की ने बैठक को सकारात्मक बताया और उम्मीद जताई कि पश्चिमी देशों का समर्थन आगे भी मिलेगा। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि फरवरी से अब तक ट्रंप प्रशासन की हर युद्धविराम पहल को यूक्रेन ने समर्थन दिया है, और आगे कहा, मैंने किसी भी सहयोगी को युद्ध समाप्त करने की अमेरिका की क्षमता पर संदेह व्यक्त करते नहीं सुना है।जेलेंस्की ने ट्रंप और रूस के राष्टपति व्लादिमीर पुतिन के बीच 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली प्रस्तावित बैठक की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, यूक्रेन की भागीदारी के बिना लिया गया कोई भी फैसला बेकार है और कभी काम नहीं करेगा।ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस मुलाकात की पुष्टि की और बताया कि यह अगले शुक्रवार अलास्का में होगी। रूसी एजेंसी 'तास' ने भी क्रेमलिन के एक अधिकारी के हवाले से इसकी पुष्टि की। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि सुरक्षा कारणों से बैठक में देरी हुई।

हथियार डिपो में धमाका, छह लेबनानी सैनिकों की मौत, ट्रंप ने सीनेट के लिए लिंडसे ग्राहम का किया समर्थन

बैंकॉक ,13 अगस्त (एजेंसी)। थाईलैंड में हुए एक रेल हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर है। बैंकॉक पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार तड़के थाईलैंड के कुई बुरी जिले में एक एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतर गई। स्थानीय समय के मुताबिक शनिवार तड़के हुए इस हादसे में नौ यात्री घायल हो गए। 12 बोगियों वाली ये ट्रेन नारथिवात प्रांत के सु-नगाई कोलोक जिले से बैंकॉक के क्रुंगथेप अफिवात (बैंग सू) स्टेशन जा रही थी। ट्रेन में पीछे की तरफ लगाए गए तीन डिब्बे, नंबर 10, 11 और 12 पटरी से उतर गए, लेकिन पलटे नहीं। घायलों में एक बौद्ध भिक्षु, एक छोटी लड़की और सात महिलाएं शामिल हैं। सभी पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेलवे अधिकारी पटरी से उतरने के कारणों की जांच कर रहे हैं।ग्वाटेमाला के दक्षिण-पश्चिमी तट पर शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि, किसी नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप ग्वाटेमाला के चंपेरिको से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में 9 किलोमीटर की गहराई पर आया। लोगों ने सोशल मीडिया पर ग्वाटेमाला की राजधानी और अन्य इलाकों में भूकंप के झटके महसूस होने की सूचना दी। भूकंप दक्षिणी मेक्सिको के कुछ हिस्सों में भी महसूस किया गया।अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की पाकिस्तान की प्रस्तावित यात्रा पर अमेरिका ने रोक लगा दी है। डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की यात्रा प्रतिबंध छूट को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। खबरों के मुताबिक मुत्ताक़ी काबुल और इस्लामाबाद के बीच संबंधों को सुधारने के मकसद से चार अगस्त को ही आने वाले थे, लेकिन अमेरिका ने इस पर रोक लगा दी।

राजनयिक सूत्रों का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगान विदेश मंत्री अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं, ऐसे में वे संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध समिति से विशेष छूट के बिना विदेश यात्रा नहीं कर सकते। अमेरिका ने छूट देने से इनकार करने का फैसला आखिरी वक्त में लिया, जिससे मुत्ताकी को अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी। डॉन की खबर के मुताबिक माना जा रहा है कि अमेरिका का यह फैसला तालिबान सरकार की चीन के साथ बढ़ती नजदीकियों से उपजी चिंताओं से प्रेरित है।लॉस एंजेलिस में स्टोर से 7000 डॉलर की लाबुबू गुड़िया चोरीअमेरिका में लॉस एंजेलिस के एक स्टोर से नकाबपोश चोरों के एक समूह ने लगभग 7,000 डॉलर की लाबुबू गुड़िया चोरी कर लीं। लॉस एंजेलिस काउंटी शेरिफ विभाग ने बताया कि यह घटना बुधवार सुबह लॉस एंजेलिस से लगभग 29 किलोमीटर पूर्व में स्थित ला पुएंते शहर के एक स्टोर में हुई। विभाग ने कहा कि संदिग्धों ने इस घटना में एक चोरी की हुई टोयोटा टैकोमा का इस्तेमाल किया था, जिसे कुछ ही देर बाद बरामद कर लिया गया। एजेंसी ने कहा कि वह मामले की जांच कर रही है और उसके पास अतिरिक्त जानकारी नहीं है। हांगकांग में जन्मे कलाकार कासिंग लुंग द्वारा बनाया गया यह खिलौना लाबुबू, इन दांतेदार राक्षसों के पहली बार सामने आने के एक दशक बाद एक लोकप्रिय संग्रहणीय वस्तु बन गया है।

कोलंबियाई सीनेटर की हालत रक्तस्त्राव के बाद फिर से गंभीर बोगोटा में एक चुनावी रैली के दौरान जून में गोली लगने से घायल हुए कोलंबियाई सीनेटर मिगुएल उरीबे टर्बे की हालत फिर से बिगड़ गई है। वह अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। उनके तंत्रिका तंत्र में रक्तस्त्राव हुआ है। उनका इलाज कर रहे फंडासिओन सांता फे क्लिनिक ने कहा कि उरीबे टर्बे को बचाने के लिए तुरंत ऑपरेशन करना पड़ा। उनकी हालत सुधारने के लिए उन्हें बेहोशी की हालत में रखा गया है। गौरतलब है कि उरीबे टर्बे को 7 जून को एक पार्क में चुनावी भाषण देते समय तीन बार गोली मारी गई थी। उनके सिर में दो बार गोली लगी। तब से, वह गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती हैं और उनकी हालत में थोड़ा सुधार हुआ है।भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को वाशिंगटन में हुई आर्मेनिया-अजरबैजान शांति संधि को भारत द्वारा समर्थित संवाद और कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपने अर्मेनियाई समकक्ष अरारत मिर्जोयान से बात की और उन्हें इस प्रगति के लिए बधाई दी। शुक्रवार को व्हाइट हाउस शांति शिखर सम्मेलन में, आर्मेनिया और अजरबैजान के नेताओं ने दशकों से चले आ रहे संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। जापान के नागासाकी में अमेरिका की तरफ से किए गए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी पर स्मृति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जख्मों, भेदभाव और विकिरण से होने वाली बीमारियों की पीड़ा सहने के बावजूद हमले से बचे लोगों ने परमाणु हथियारों को खत्म करने के साझा लक्ष्य के लिए सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिबद्धता जताई। नागासाकी में हमले से बचे लोगों के पक्ष में खड़े एक संगठन की सदस्य 83 वर्षीय तेरुको योकोयामा ने कहा कि उन्हें उन लोगों की कमी महसूस होती है, जिनके साथ उन्होंने काम किया और यही भावना उन्हें बचे पीड़ितों के जीवन का दस्तावेजीकरण करने की मजबूत इच्छा देती है। हमले में बचे लोगों की संख्या अब सिर्फ 99,130 रह गई है जो कुल पीड़ितों के लगभग एक चौथाई हैं। इनकी औसत उम्र 86 साल से अधिक हो चुकी है। अमेरिका ने 9 अगस्त, 1945 को नागासाकी पर परमाणु बम गिराया था। इसमें करीब 70 हजार लोग मारे गए थे। रक्षा मंत्री ख्वाजा फिर बोले- एक भी पाकिस्तानी विमान नहीं मार गिराया गयापाकिस्तान के रक्षामंत्री ने ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को फिर दोहराया कि पाकिस्तान का एक भी सैन्य विमान ऑपरेशन सिंदूर में नहीं मार गिराया गया। उन्होंने भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह के छह पाकिस्तानी विमान गिराने के दावों को खारिज कर दिया। आसिफ ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, तीन महीने तक ऐसा कोई दावा नहीं किया गया- जबकि पाकिस्तान ने तत्काल बाद अंतर्राष्ट्रीय मीडिया को विस्तृत तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी विमानों के नष्ट होने के बारे में भारतीय वायु सेना प्रमुख के देर से दिए गए दावे जितने अविश्वसनीय हैं उतने ही गलत समय पर दिए गए हैं। आसिफ ने दावा किया कि नियंत्रण रेखा पर भारतीय सशस्त्र बलों को भी बराबर नुकसान हुआ। उन्होंने आगे कहा, अगर सच्चाई पर संदेह है तो दोनों पक्षों को अपने विमानों के भंडार स्वतंत्र सत्यापन के लिए खोलने चाहिए। हमें संदेह है कि इससे वह सच्चाई सामने आ जाएगी जिसे भारत छिपाना चाहता हैचीन मं भारी बारिश, आपातकालीन स्थिति स्तर का एलानभारी बारिश के बाद चीन के कई प्रांतों में बाढ़ जैसी स्थिति है। हालात गंभीर होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश के बाढ़ नियंत्रण और सूखा राहत मुख्यालय ने कई प्रांतों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए आपातकालीन प्रतिक्रिया स्तर का एलान किया है। बाढ़ की रोकथाम में स्थानीय अधिकारियों की सहायता के लिए अनहुई और हुबेई में राहत और बचाव दल भेजे गए हैं। देश के जल संसाधन मंत्रालय ने भी हेनान, हुबेई, चोंगकिंग, सिचुआन और शानक्सी में बाढ़-नियंत्रण आपातकालीन प्रतिक्रियाबाढ़ की स्थिति को देखते हुए आपातकालीन प्रतिक्रिया स्तर का एलान किया है।

सम्पादकीय...

संघ प्रमुख मोहन भागवत की चिंता

इंदौर में कैंसर के मरीजों के किफायती इलाज के लिए शुरू किए गए 'गुरुजी सेवा न्यास' के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने देश में चिकित्सा और शिक्षा के व्यवसायीकरण पर चिंता जताते हुए कहा कि दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आम लोगों को 'सहज, सुलभ, सस्ती और सहृदय' सुविधाएं मुहैया कराई जाना वक्त की मांग है। संघ प्रमुख ने इस मौके पर एक समारोह में कहा कि अच्छी चिकित्सा और शिक्षा की सारी योजनाएं आज समाज के हर व्यक्ति की बहुत बड़ी आवश्यकता बन गई है, लेकिन दुर्भाग्य ऐसा है कि दोनों क्षेत्रों की (अच्छी) सुविधाएं आम आदमी की पहुंच और आर्थिक सामर्थ्य के दायरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि पहले चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्रों में सेवा की भावना से काम किए जाते थे, लेकिन अब इनका भी व्यवसायीकरण हो रहा है। संघ प्रमुख ने जोर देकर कहा कि जनता को चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्रों में सहज, सुलभ, सस्ती और सहृदय सुविधाएं मुहैया कराई जाना वक्त की मांग है। भागवत ने देश में कैंसर के महंगे इलाज पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कैंसर के इलाज की अच्छी सुविधाएं केवल आठ-दस शहरों में मौजूद हैं जहां देश भर के मरीजों को बड़ी धनराशि खर्च करके जाना पड़ता है। भागवत ने आम लोगों के लिए चिकित्सा और शिक्षा की अच्छी सुविधाएं पेश करने के वास्ते समाज के सक्षम और समर्थ लोगों से आगे आने का आह्वान किया। संघ प्रमुख ने कहा कि कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) जैसे शब्द बेहद तकनीकी और औपचारिक हैं। सेवा के संदर्भ में हमारे यहां एक शब्द है-धर्म। धर्म यानी सामाजिक जिम्मेदारी को निभाना। धर्म समाज को जोड़ता है और समाज को उन्नत करता है। भागवत ने यह भी कहा कि पश्चिमी देश चिकित्सा के क्षेत्र में अपने एक जैसे मानक दुनिया के अन्य हिस्सों के देशों पर लागू करने की सोच रखते हैं, लेकिन भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में मरीजों का उनकी अलग-अलग प्रकृति के आधार पर इलाज किया जाता है। पिछले दिनों देश के उच्चतम न्यायालय ने महंगी होती शिक्षा पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि अब शिक्षा क्षेत्र भी एक व्यापार बनकर रह गया है। निजी स्कूल, कॉलेज या विश्वविद्यालय हो या निजी अस्पताल यह सब एक जन साधारण की पहुंच से बाहर हैं। सरकारी अस्पतालों और स्कूलों के गिरते स्तर के कारण जन साधारण की स्थिति भंवर में फंसे इंसान की तरह है। जितना वह भंवर से निकलने की कोशिश करता है वह और डूबता चला जाता है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने उपरोक्त सच्चाई को ध्यान में रखते हुए ही शिक्षा और चिकित्सा के व्यवसायीकरण को लेकर चिंता प्रकट की है। देश में जन साधारण की स्थिति को देखते हुए संघ प्रमुख भागवत की बात को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शिक्षा क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर काफी काम हो रहा है। अभी काफी होने वाला भी है। शिक्षा क्षेत्र की तरह चिकित्सा क्षेत्र में भी संघ को राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय होकर आगे आना चाहिए। 'परमार्थ ही धर्म है', इसी को अपना ध्येय वाक्य बनाकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सनातन धर्म के संदेश को देश व दुनिया के सामने रखते हुए सनातन धर्म के प्रति जो भ्रम व भ्रांतियां हैं, उनको दूर भी कर सकेगा।

सार्वजनिक मार्केट प्लेस की पारदर्शी दशक यात्रा

उमेश चतुर्वेदी

नौ अगस्त की तारीख हमारे इतिहास में अगस्त क्रांति के लिए प्रसिद्ध है। भारत से अंग्रेजी राज को उखाड़ फेंकने वाले निर्णायक 'भारत छोड़ो आंदोलन' की शुरूआत इसी दिन हुई। यह तारीख इतिहास में एक और वजह से भी महत्वपूर्ण बन गई है। इसी दिन साल 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक और सरकारी खरीद में पारदर्शिता की शुरूआत के लिए सरकारी मार्केट प्लेस यानी बाजार की शुरूआत जीईएम यानी गवर्नमेंट इलेक्ट्रॉनिक मार्केट प्लेस शुरू किया। जीईएम का मूल मंत्र है, पारदर्शी, समावेशी और कुशल शासन की आधारशिला। इस ऑनलाइन सार्वजनिक और पारदर्शी बाजार ने नौ साल की आधिकारिक यात्रा पूरी कर ली है और एक दशक की यात्रा के लिए आगे बढ़ चुका है।

प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने एक नारा दिया था, 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'। इसके सीईओ मिहिर कुमार कहते हैं कि जीईएम प्रधानमंत्री के इसी दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। मिहिर कुमार के अनुसार, सिर्फ नौ साल की ही अवधि में यह पोर्टल देश का सबसे भरोसेमंद डिजिटल खरीद मंच बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में इस पोर्टल पर महिला उद्यमियों, स्टार्टअप्स, मध्यम और लघु उद्योग, शिल्पकारों, स्थानीय कारीगरों और दिव्यांगजनों समेत पूरे देश के विक्रेताओं और सेवाप्रदाताओं के सशक्तीकरण में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। इस पोर्टल या ऑनलाइन बाजार पर विक्रेताओं के लिए जमानती राशि रखने का प्रावधान है। लेकिन अब इस प्रावधान को खत्म कर दिया गया है। मिहिर कुमार के अनुसार, इसकी वजह से विशेषकर छोटे निर्माताओं और कारोबारियों को ज्यादा फायदा होना है। सार्वजनिक और सरकारी खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। इसी भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री ने पारदर्शी और समावेशी ऑनलाइन मार्केट की अवधारणा प्रस्तुत की थी। जीईएम उसी अवधारणा का विस्तार है। इसके कामकाज शुरू करने के बाद केंद्र सरकार के सभी दफ्तरों के लिए इसी पोर्टल के जरिए खरीद अनिवार्य कर दिया गया। अब जीईएम प्रबंधन का जोर राज्य सरकारों की खरीद को भी इसी के जरिए जरूरी बनाने पर है। अपने दसवें साल में राज्यों पर फोकस करने की दिशा में जीईएम प्रबंधन ने तैयारी की है। जीईएम को उम्मीद है कि उनके जरिए हो रही सार्वजनिक खरीद में जिस तरह सार्वजनिक क्षेत्र को बचत हो रही है, उसकी वजह से राज्य सरकारें भी इसकी ओर आकर्षित होंगी। वैसे राज्यों की ओर से इसके जरिए खरीद होने भी लगी है। हालांकि उसकी मात्रा अभी कम है। जीईएम के जरिए होने वाली खरीद में अब तक एनटीपीसी को जहां करीब दो हजार करोड़ की बचत हुई है, वहीं बैंक ऑफ बड़ोदा को 34 करोड़। इसी तरह भारतीय नौसेना ने भी पंद्रह करोड़ की बचत की है। जीईएम के अधिकारी तो इसे स्वीकार नहीं करते, लेकिन जाहिर है कि यह बचत जहां खरीद में घपले की कमी से हुई है, वहीं सार्वजनिक मार्केट प्लेस पर उपलब्ध ढेरों और गुणवत्तापूर्ण सामानों में मूल्यों को लेकर हुई प्रतिद्वंद्विता की वजह से हुई है।

जीईएम के सीईओ मिहिर कुमार के अनुसार, इस ऑनलाइन मार्केट प्लेस ने सिर्फ खुद के दम पर साल 2024-25 में 5.4 लाख करोड़ रुपये के सकल व्यापारिक मूल्य सार्वजनिक खरीद को न केवल सुव्यवस्थित किया है, बल्कि शासन में पहुंच, समानता और सशक्तीकरण को फिर से पारिभाषित किया है।

जीईएम ने अपने स्थापना के दसवें वर्ष का सूत्र वाक्य, सुगमता, पहुंच और समावेशन विषयों पर केन्द्रित किया है। मिहिर कुमार का कहना है कि उसका यह सूत्र वाक्य सार्वजनिक खरीद को अधिक सुलभ और न्यायसंगत बनाने की दिशा में उनके संगठन की प्रतिबद्धता और पारदर्शी कामकाज को प्रदर्शित करता है। मिहिर कुमार यह भी कहते हैं कि वैसे तो ऑनलाइन खरीद के कई पोर्टल हैं। लेकिन वे सभी कारोबारी पोर्टल हैं, जबकि जीईएम मार्केट प्लेस है। वह खुद कारोबार नहीं करता, बल्कि पारदर्शी कारोबार का मंच उपलब्ध कराता है। जिसमें खरीददार और विक्रेता, दोनों का फायदा है।

जीईएम की कामयाबी ही कही जाएगी कि इसके जरिए अब तक तीन करोड़ से ज्यादा खरीदादारी हो चुकी है। जिनके जरिए 4.81 लाख करोड़ की खरीददारी हुई है। इस मार्केट प्लेस पर मौजूदा वित्त वर्ष में 11हजार से ज्यादा प्रोडक्ट, 344 से ज्यादा सर्विस श्रेणी, 20 लाख से ज्यादा ऑर्डर मिल चुके हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इस पोर्टल पर सबकुछ ऑटोमेशन में सॉफ्टवेयर संचालित है, कोई मैनुअल हस्तक्षेप नहीं है। हालांकि जीईएम के अधिकारी मानते हैं कि इसमें और सुधार की गुंजाइश है और वह लगातार होती रहेगी। ताकि खरीद-बिक्री में पारदर्शिता बरकरार रहे।

यह ठीक है कि अब विक्रेताओं के लिए जमानती राशि की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। इसके साथ ही जीईएम ने कई और सुधार शुरू किये हैं। इसमें विक्रेता के मूल्यांकन शुल्क को तार्किक बनाना और लेनदेन शुल्क में उल्लेखनीय कमी करना भी सामिल है। वेंडर चार्ज भी पहले की तुलना में 68 प्रतिशत से लेकर 92 प्रतिशत तक कम किए जा चुके हैं। इन सबकी वजह से यहां मिलने वाले 97 प्रतिशत ऑर्डरों को छूट मिल गई है। मिहिर कुमार कहते हैं कि उनकी कोशिश, विक्रेताओं को सशक्त बनाना, मध्यम और लघु उद्योगो बढ़ावा देने की है। इस दिशा में पहली बार विक्रेताओं और छोटे उद्यमों के लिए मजबूत सहायता द्वारा समर्थन दिया जा रहा है।

जीईएम की कोशिश ना सिर्फ बड़े, बल्कि दूर-दराज के इलाकों में स्थित कारीगरों, निर्माताओं, उद्यमियों और कारोबारियों को समावेशी मंच उपलब्ध कराना भी है। जीईएम के अधिकारी कहते हैं कि उनका ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि आदिवासी कारीगरों से लेकर तकनीक-संचालित स्टार्टअप तक हर उद्यम तक सार्वजनिक खरीद के अवसरों आसानी से पहुंच सकें। इस दिशा में इसके दिल्ली मुख्यालय में छह अगस्त को जीईएम विक्रेता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जीईएम के मंच पर देश के हर वर्ग के उद्यमियों, कारोबारियों और निर्माताओं को साथ लाने की कोशिश हुई। कागज रहित, वास्तविक समय के लेन-देन को सक्षम बनाने से लेकर स्वास्थ्य, खनन और बीमा में करोड़ों रुपये के अनुबंधों को सुगम बनाने तक, जीईएम ने नीति निर्माण और जमीनी स्तर की भागीदारी के बीच की खाई को पाटने की सफल कोशिश की है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सरकार की दृढ़ता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा

डा. अश्विनी महाजन

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयातों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे कुल टैरिफ अब 50 प्रतिशत हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना है कि यह कदम भारत द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद के जवाब में उठाया गया है। इसके साथ ही भारत अमरीका के सबसे अधिक कर वाले व्यापारिक साझेदारों में से एक बन गया है। अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ 27 अगस्त, 2025 से प्रभावी होगा। इस वृद्धि से अमरीका को 40 अरब डॉलर से ज्यादा मूल्य के भारतीय निर्यात प्रभावित होंगे, जिनमें ऑटो पार्ट्स, कपड़ा और परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स, इस्पात और रसायन, आभूषण और समुद्री खाद्य आदि शामिल हैं। कुछ क्षेत्रों को टैरिफ वृद्धि से छूट भी दी गई है, जिनमें शामिल हैं, फार्मास्युटिकल्स, तैयार इलेक्ट्रॉनिक्स, जैसे स्मार्टफोन और लैपटॉप, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा उत्पाद जैसे तेल, गैस और एलएनजी, तांबा इत्यादि। यदि अमरीकी टैरिफ प्रभाव डालेंगे भी, तब भी अमरीका को भारत का निर्यात अधिकतम 5.7 अरब डॉलर ही गिरेगा। लेकिन आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि 2022 और 2024 के बीच भारत को रूस से तेल आयात करके 33 अरब डॉलर का फायदा हुआ। यानी यदि नफा नुकसान देखें तो भारत को रूस से तेल आयात से इतना फायदा है कि उसे अमरीकी टैरिफ की परवाह करने की जरूरत नहीं। इस बीच ट्रंप ने चीन सहित रूसी तेल खरीदने वाले अन्य देशों पर संभावित 'द्वितीयक प्रतिबंध' लगाने का भी संकेत दिया है। समझना होगा कि अमरीका का टैरिफ बढ़ाने का निर्णय डब्लूटीओ के नियमों का सीधा-सीधा उल्लंघन है। इससे पहले जुलाई 30, 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों का हवाला देते हुए, 25 प्रतिशत टैरिफ के अलावा, अनिर्दिष्ट 'दंड' लगाने की भी घोषणा की थी। उन्होंने यह कहा कि भारत रूस से प्रतिरक्षा हथियार और कच्चा तेल खरीद रहा है, इसलिए उसे दंड के रूप में ज्यादा टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वास्तविकता यह है कि भारत स्वाभाविक रूप से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए रक्षा उपकरण खरीदने और जहां से भी कच्चा तेल मिले, उसे सबसे सस्ते दामों पर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि घरेलू मुद्रास्फीति पर नियंत्रण बना रहे। इस बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है कि अगर अमरीका सोचता है कि वह इस तरह की धमकियां देकर हमारे देश को दबा सकता है, तो उसे अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है। आज का भारत एक दशक पहले जैसा भारत नहीं है। हम हथियार उत्पादन में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहे हैं, हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया को दिखा दिया है कि हम सामरिक दृष्टि से आत्मनिर्भर हैं।

अमरीका को समझना होगा कि विश्व अब एकध्रुवीय नहीं रह गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमरीका ने ऐसे समय में एक रणनीतिक साझेदार के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाने का फैसला किया है जब अमरीका समेत पूरी दुनिया को चीन द्वारा व्यापार और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के हथियारीकरण से उत्पन्न कहीं अधिक बड़ी चुनौती का सामूहिक रूप से जवाब देने की जरूरत है। दुर्लभ मृदा निर्यात पर बीजिंग के प्रतिबंधों ने दुनिया भर में विनिर्माण क्षमताओं को खतरे में डाल दिया है। यही समय है कि अमरीका और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देकर इस समस्या का समाधान करने के लिए हाथ मिलाएं। भारत सरकार वास्तव में बधाई की पात्र है कि भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता के दौरान दबाव के बावजूद दृढ़ता से खड़ी है। पारस्परिक शुल्कों की धमकियों और 9 जुलाई और 31 जुलाई की समय सीमा चूक जाने के बावजूद, भारतीय वार्ताकारों ने आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) कृषि उत्पादो, डेयरी आयात और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के लिए हमारे बाजारों को जबरन खोलने के प्रयासों का सही ढंग से विरोध किया है। यह उल्लेखनीय है कि अमरीका दुनिया भर के देशों पर(डब्लयूटीओ के नियमों के विरुद्ध) दबाव बना रहा है कि वे अपने-अपने देशों में अमरीका से आने वाले सामानों पर शुल्क कम करें। हाल के दिनों में, जब राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पारस्परिक टैरिफ लगाए जाने के बाद, भारत-अमरीका व्यापार वार्ता में तेजी आई थी और रिपोर्ट्स में तेज गति से बातचीत के संकेत मिल रहे थे, ट्रंप का यह बयान कि भारत के साथ अभी भी कोई समझौता नहीं हुआ है, इस बात का प्रमाण है कि भारत अमरीका के दबाव का सफलतापूर्वक सामना कर रहा है। भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते पर 2017 से ही चर्चा चल रही है। लेकिन अभी तक यह समझौता सिरे नहीं चढ़ पाया है, यहां तक कि सीमित स्तर पर भी नहीं। कई बार यह समझौता लगभग तय लग रहा था, लेकिन अचानक कुछ रुकावटें आ गईं और बातचीत ठंडे बस्ते में चली गई। आखिरी बार ऐसा 2020 में हुआ था। मीडिया में खबरें आ रही थीं कि भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने वाले हैं, लेकिन तब भी भारत ने दबाव का विरोध किया और संयुक्त राज्य अमरीका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) को अपना भारत दौरा रद्द करना पड़ा। मौजूदा वार्ताओं में अमरीका मांग कर रहा है कि भारत उसकी जीएम फसलों के लिए बाजार पहुंच दे, चिकित्सा उपकरणों पर नियमों में ढील दी जाए और डेटा के मुक्त प्रवाह की अनुमति दी जाए।

वास्तविकता यह है कि भारत अपने किसानों और कृषि सुरक्षा के मद्देनजर जीएम के आयात की अनुमति नहीं दे सकता और न ही अपने चिकित्सा उपकरण उद्योग के विरुद्ध अमरीका की नियमों में ढील को स्वीकार कर सकता है। संवेदनशील डेटा संप्रभु देश के नियंत्रण में ही रहना चाहिए, जो हमारे दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित के साथ जुड़ा हुआ है। भारत ने इस्पात, ऑटोमोबाइल और दवा शुल्कों से छूट की वैध मांग की है और डेटा स्थानीयकरण की अपनी नीति का बचाव किया है। हमें समझना होगा कि व्यापार समझौता हो या न हो, अमरीका को भारतीय निर्यात पारस्परिक आर्थिक लाभ के आधार पर जारी रहेगा ही।

(यह लेखक के अपने विचार है)

टैरिफ वॉर का दांव

अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ वॉर का दांव चल कर दुनिया के तमाम देशों को निशाने पर ले रहे हैं। भारत पर पच्चीस फीसद टैरिफ लगाने का फैसला पहले ही सुना चुके हैं।

अब चौबीस घंटों के भीतर इससे कहीं ज्यादा टैरिफ लगाने की उनकी घोषणा एक और चेतावनी है। ट्रंप ने भारत के रूस से तेल खरीदने को वॉर मशीन की मदद करने सरीखा बताया है। भारत ने तत्काल इसे तर्कहीन बताया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका भी रूस से परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम, हेक्साफ्लोराइड और इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात करता है।

कड़े प्रतिबंधों के बावजूद अमेरिका ने तकरीबन साढ़े तीन अरब डॉलर का रूसी गुड्स ट्रेड किया है। भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया कि वैश्विक बाजार को स्थिर करने के लिए अमेरिका द्वारा रूस से तेल खरीदते रहने को प्रोत्साहित किया गया था। मोदी को मित्र बता कर गलबहियां करने वाले ट्रंप के बदलते तेवर कूटनीतिक रूप से हताशा भरे माने जा सकते हैं। उन्होंने भारत को अच्छा व्यापारिक साझेदार न बता कर संदेह को भी बढ़ाने का काम किया है।

रूस से सिर्फ तेल खरीद ही असल मुद्दा नहीं है। अमेरिका को भारत का रूसी सैन्य उपकरण लेना भी अखरता रहा है। अमेरिका के दबदबे को घुड़की देकर भारत ने वैश्विक समुदाय के समक्ष पश्चिमी देशों की पाखंड वाली नीति पर प्रश्न चिह्न लगाने में भी गुरेज नहीं किया। यूक्रेन में रूस के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर कर रहे गुटों की बात की जाए या व्यापार की तो इसकी किसी पारदर्शी योजना का अब तक खुलासा नहीं हुआ है।

साल के अंत में रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा संभावित है। तब भी अमेरिका अपनी आक्रामकता पर काबू करने में विफल रहने वाला है। खुद को शांति दूत के तौर पर पेश करने की ट्रंप की तमाम कोशिशों को दुनिया भली-भांति देख रही है। भारत न सिर्फ विशाल बाजार है, बल्कि उसे अन्य मुल्कों के साथ साझीदारी/व्यापार करने से रोक पाना आसान नहीं है। उसे अपनी बढ़ती अर्थव्यस्था की गति को स्थिर रखने और घरेलू दबावों के चलते अपने रुख पर कायम रहना होगा। ट्रंप की भभकी का असर अधिक इसलिए भी नहीं रह जाता क्योंकि वे अस्थिर व्यक्ति हैं। उनके बयानों/विचारों में ढुलमुलाहट के चलते घबराने की तनिक आवश्यकता नहीं है।

खरीफ फसलों में इस बार बाजरा का उत्पादन गिरेगा ,किसान बेहाल, परेशान

अजय दीक्षित

भारत में खरीफ फसलों के रूप में बाजरा मूंग, उड़द, सोयाबीन, रागी,आदि मानसून सीजन में होती हैं। लेकिन इस बार अत्यधिक बारिश और बाढ़ चलते विशेषकर उत्तर भारत,में उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात,में बाजरा की फसल लगभग समाप्त हो गई है।भारत में लगभग 80 लाख हैक्टेयर भूमि में यह फसल उगाई जाती है जिसमें राजस्थान में सर्वाधिक 42 लाख हैक्टेयर, उत्तर प्रदेश में 22 , मध्य प्रदेश में 9.5 और गुजरात 10 लाख हैक्टेयर भूमि बाजरा की बोवनी होती हैं। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा,को मिलकर 118000 से अधिकतम 1300 मीट्रिक टन का उत्पादन किया जाता है।इस बार किसान 15 जून के आसपास तीव्र मानसून आने के कारण राजस्थान, गुजरात, मध्य, उत्तर प्रदेश में या तो फसल की बोवनी नहीं कर पाए या बोवनी हो भी गई तो लगातार बारिश कारण फसल गल गई। बाजरा एक ऐसी फसल है जो बहुत कम पानी में हो जाती है।चंबल क्षेत्र में कहावत है कि बाजरा के तो कान में भी पानी की कुछ बूंदे चली जाय तो फसल हो जाएगी। बाजरा उन्हीं इलाकों की फसल थी जहां सिंचाई के साधन नहीं थे। ब्रिटिश गजट में उल्लेख है कि 1912 में उत्तर भारत में बाजरा जोए, मूंग, रागी, उड़द,ग्वार, मूंगफली की खेती होती थी।1912 में जब भयंकर सूखा पड़ा तो लोगों के पास अनाज नहीं था। और 30 की आबादी इस सूखे के चलते काल के गाल में समा गई थी।इसी प्रकार 1930 का सूखा ऐसा पड़ा था कि गुजरात में अनाज के बदले अपने गहने, बच्चे बेच दिए थे जो बालिग थे।

बाजरा उत्तर भारत का ऐसा अनाज है जो साल भर चलता है उसी के साथ दालें भी होती हैं।किसान का मुख्य भोजन इन चीजों से ही बनता है। सबलगढ़ मध्य प्रदेश के गरीब किसान मनीष रावत कहते हैं कि इस बार पशुओं के लिए चारा के भी लाले पड़े हैं। बाजरा मूंग उड़द अति वर्षा के कारण नष्ट हो गई है। बाजरा की फसल मनुष्यों से तो जुड़ी हुई है लेकिन यह पशुओं का हरा चारा भी है। सितंबर से फरवरी तक पशुओं को बाजरा की करब ही चुनी में मिलकर दी जाती है दुधारू गायों, भैंसों को घास के साथ , बाजार के अतिशेष भी दिए जाते हैं।बाजरा मध्य जून में वो कर 80 से 90 दिन में काटा जा सकता है।यानी आषाढ़ से कुंवार माह में हो जाता है।

आजादी के बाद और कुछ इलाकों में अंग्रेजों ने भी सिंचाई परियोजना बांध निर्माण किए।मगर आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री स्व जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में रावी व्यास, सतलुज,सिंध,चंबल,गंगा,यमुना, गोमती, कावेरी कृष्णा गोदावरी, नर्मदा, बेतवा, केन, पार्वती, महानदी, दामोदर वैली, गांधी सागर, हीराकुंड, बांध निर्माण किए गए। इनमें से लाखों किलोमीटर नहर बनाई गई।जो भारत में हरित क्रांति का कारण बने। किसान रवि की फसल भी लेने लगे हैं। कनाडा विश्व का सबसे बड़ा कृषि हब है। लेकिन वहां की सरकार किसानों को बीज,खाद,पानी, वेयरहाउस, मुफ्त में देती है। लेकिन अपने देश में अभी वह समय नहीं आया है।

शिव के तांडव नृत्य का सिलसिला अभी भी जारी

प्रमोद भार्गव

भगवान भोले नाथ का गुस्सा प्रतीक रूप में मौत के तांडव नृत्य में फूटता है। देवभूमि उत्तराखंड में शिव के इस तांडव नृत्य का सिलसिला केदारनाथ में 2013 में आई प्राकृतिक आपदा के बाद से अभी भी जारी है। उत्तरकाशी जिले की खीर गंगा नदी और धराली में बादल फटने और हंसलि के तेलगाड़ नाले में बाढ़ आने से बड़ी तबाही हुई है। धराली में 50 से ज्यादा घर, 30 होटल और 30 होमस्टे मलबे में बदल गए। जो खीर नदी 10 मी. चौड़ी थी, वह जल प्रवाह से 39 मी. चौड़ी हो गई। अतएव जो भी सामने पड़ा उसे लीलती चली गई। प्रशासन चार लोगों की मौत और 100 से अधिक लोगों के लापता होना बता रहा है। लेकिन हिमालय के बीचोंबीच बसे खूबसूरत धराली गांव में सैलाब जैसे नीचे उतरते दिखा, उससे लगता है कि मौतें कहीं अधिक हुई हैं। पलय इतनी तीव्रता से आई कि उसकी कान के पर्दे फाड़ देने वाली गर्जना सुनने के बाद लोगों को बचने का समय ही नहीं मिल पाया।

बादल फटना अनायास जरूर है, लेकिन ये करीब 10 किमी. व्यास की परिधि में फटने के बाद अति वृष्टि का कारण बनते हैं। 10 सेंमी. या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में पारिभाषित किया जाता है। बादल फटने की घटना के दौरान किसी एक स्थान पर एक घंटे के भीतर उस क्षेत्र में होने वाली औसत वार्षिक वष्रा की 10 प्रतिशत से अधिक बारिश हो जाती है। मौसम विभाग वर्षा का पूर्वानुमान कई दिन या माह पहले लगा लेता है, लेकिन मौसम विज्ञानी बादल फटने जैसी बारिश का अनुमान नहीं लगा पाते।

समृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम अक्षम हैं। भूकंप की तो भनक भी नहीं लगती। जाहिर है, इसे रोकने का एक ही उपाय है कि विकास की जल्दबाजी में पर्यावरण की अनदेखी न करें। ध्यान रखें कि अंततः हमारी वर्तमान अर्थव्यस्था का मजबूत आधार अटूट प्राकृतिक संपदा और खेती ही हैं। लेकिन उत्तराखंड हो या प्राकृतिक संपदा से भरपूर अन्य प्रदेश उद्योगपतियों की लॉबी जीडीपी और विकास दर के नाम पर पर्यावरण संबंधी कठोर नीतियों को लचीला बना कर अपने हित साधने में लगी हैं। विकास का लॉलीपॉप प्रकृति से खिलवाड़ का कारण बन गया है।

उत्तराखंड, उप्र से विभाजित होकर 9 नवम्बर, 2000 को अस्तिव में आया था। तेरह जिलों में बंटे इस छोटे राज्य की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 1 करोड़ 11 लाख है। 80 फीसद साक्षरता वाला यह प्रांत 53,566 वर्ग किमी. में फैला हुआ है। उत्तराखंड में भागीरथी, अलकनंदा, गंगा और यमुना जैसी बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली नदियों के उद्गम स्थल हैं। इन नदियों के उद्गम स्थलों और किनारों पर पुराणों में दर्ज अनेक धार्मिक-सास्कृतिक स्थल हैं। इसलिए इस भूभाग को धर्म-ग्रंथों में देवभूमि कहा गया है। यहां के वनाच्छादित पहाड़ अनूठी जैव-विविधता के पर्याय हैं। तय है कि उत्तराखंड प्राकृतिक संपदाओं का खजाना है। इसी बेशकीमती भंडार को सत्ताधारियों और उद्योगपतियों की नजर लग गई है, जिसकी वजह से पलय जैसे प्रकोप बार-बार इस देवभूमि में बर्बादी की आपदा बरसा रहे हैं।

उत्तराखंड की तबाही की इबारत टिहरी में गंगा नदी पर बने बड़े बांध के निर्माण के साथ ही लिख दी गई थी। बांध के निर्माण में विस्फोटकों के इस्तेमाल ने धरती के अंदरूनी पारिस्थितिकी तंत्र के ताने-बाने को खंडित कर दिया। विद्युत परियोजनाओं और सड़कों का जाल बिछाने के लिए भी धमाकों का अनवरत सिलसिला जारी रहा। अब यही काम रेल पथ के लिए सुरंगें बनाने में सामने आ रहा है। विस्फोटों से फैले मलबे को भी नदियों और हिमालयी झीलों में ढहा दिया जाता है। नतीजतन, नदियों का तल मलबे से भर गए हैं। परिणामस्वरूप इनकी जल ग्रहण क्षमता नष्ट हुई और जल प्रवाह बाधित हुआ। अतएव जब भी तेज बारिश आती है तो तुरंत बाढ़ में बदल कर विनाशलीला में तब्दील हो जाती है।

बादल फटने के केदारनाथ और अब धराली जैसे परिणाम निकलते हैं। उत्तरकाशी, जोशीमठ में तो निरंतर बाढ़ और भू-स्खलन देखने में आ रहे हैं, इस क्षेत्र के सैकड़ों मकानों में भूमि धसकने से बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। भू-स्खलन के अलावा इन दरारों की वजह कालिंदी और असिगंगा नदियों पर निर्माणाधीन जल विद्युत और रेल परियोजनाएं भी हैं। उत्तराखंड जब स्वंतत्र राज्य नहीं बना था, तब इस देवभूमि क्षेत्र में पेड़ काटने पर प्रतिबंध था। नदियों के तटों पर होटल नहीं बनाए जा सकते थे। निजी आवास बनाने तक पर रोक थी।

लेकिन उत्तर प्रदेश से अलग होने के साथ ही केंद्र से बेहिसाब धनराशि मिलना शुरू हो गई। इसे ठिकाने लगाने के नजरिए से स्वयंभू ठेकेदार आगे आ गए। उन्होंने नेताओं और नौकरशाहों का एक मजबूत गठजोड़ गढ़ लिया और नये राज्य के रहनुमाओं ने देवभूमि के प्राकृतिक संसाधनों की लूट की खुली छूट दे दी। दवा कंपनियां औषधीय पेड़-पौधों और जड़ी-बूटियों के दोहन में लग गई हैं। भागीरथी, खीरगंगा और अलंकनदा के तटों पर बहुमंजिला होटल और आवासीय इमारतों की कतार लग गई है। पिछले 25 साल में राज्य सरकार का विकास के नाम पर प्रकृति के दोहन के अलावा कोई उल्लेखनीय काम नहीं है। जबकि इस राज्य का निर्माण का मुख्य लक्ष्य था कि पहाड़ से पलायन रुके। रोजगार की तलाश में युवाओं को महानगरों की ओर ताकना न पड़े। लेकिन 2011 में हुई जनगणना के जो आंकड़े सामने आए हैं, उनके अनुसार पौढ़ी-गढ़वाल और अल्मोड़ा जिलों की तो आबादी ही घट गई है। तय है, क्षेत्र में पलायन और पिछड़ापन बढ़ा है।

विकास की पहुंच धार्मिक स्थलों पर ही सीमित रही है, क्योंकि इस विकास का मकसद महज श्रद्धालुओं की आस्था का आर्थिक दोहन रहा था। यही वजह रही कि उत्तराखंड के 5 हजार गांवों तक पहुंचने के लिए सड़कें तक नहीं हैं। खेती आज भी वष्रा पर निर्भर है। उत्पादन बाजार तक पहुंचाने के लिए परिवहन सुविधाएं नदारद हैं। तिस पर भी छोटी-बड़ी प्राकृतिक आपदाएं कहर ढाती रहती हैं। इस प्रकोप ने तो तथाकथित आधुनिक विकास को मिट्टी में मिला कर जल के प्रवाह में बहा दिया है। ऐसी आपदाओं की असली चुनौती इनके गुजर जाने के बाद खड़ी होती है, जो अब जिस भयावह रूप में देखने में आ रही है, उसे संवेदनशील आंखों से देखा जाना भी मुश्किल है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

राफेल से भी ताकतवर विमानों पर वायुसेना की नजर, सरकार के सामने रख दी बड़ी डिमांड

नई दिल्ली,13 अगसत (एजेंसी)।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारतीय वायुसेना की ताकत देखी है। भारतीय वायुसेना के विमानों ने पाकिस्तान के चीनी विमानों के छक्के छुड़ा दिए। हालांकि अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों को देखते हुए भारतीय वायुसेना के पास अभी पर्याप्त लड़ाकू विमान नहीं हैं। ऐसे में वायुसेना ने सरकार से नए राफेल विमानों की डिमांड कर दी है। भारतीय वायुसेना चाहती है कि लंबे समय से लंबित पड़े 114 मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट के तहत नए राफेल विमान उपलब्ध करवाए जाएं। भारतीय वायुसेना का कहना है कि फ्रांस की सरकार के साथ लंबित परियोजना के तहत नए विमान खरीदे या फिर बनाए जाएं जिससे वायुसेना की ताकत में इजाफा हो सके। इस प्रोजेक्ट के तहत ज्यादातर विमान विदेशी सहयोग के साथ देश में ही बनाए जाने हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो भारतीय वायुसेना अब अपने बेड़े में देसी राफेल विमान चाहती है इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने का पहला चरण है ऐक्सेपटेंस ऑफ नेसेसिटी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली डिफेंस एक्विजिशन

काउंसिल एक या दो महीने के अंदर इसे मंजूरी दे सकती है। वायुसेना का कहना है कि जितनी जल्दी हो सके नए लड़ाकू विमान बेड़े में शामिल होने चाहिए। बता दें कि 7 से 10 मई तक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने सीमा पार आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए राफेल का इस्तेमाल किया था।

पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने भारतीय वायुसेना के 6 लड़ाकू विमान मार गिराए थे। हालांकि भारत ने पाकिस्तान के इन बेबुनियाद दावों को खारिज कर दिया है। बता दें कि एमआरएफए प्रोजेक्ट पिछले सात से आठ साल से लटका हुआ है। वहीं भारतीय वायुसेना में विमानों की कमी हो गई है। अगले महीने मिग-21 विमान रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में वायुसेना में विमानों की संख्या और कम हो जाएगी। भारतीय वायुसेना ने पांचवीं पीढ़ी के विमानों की भी मांग की है। भारतीय वायुसेना का कहना है कि अब पांचवीं जनरेशन के लड़ाकू विमानों की जरूरत है। इनमें रूस के सुखोई-57 और अमेरिका के एफ-35 विमान शामिल हैं। हालांकि इसको लेकर अभी कोई चर्चा नहीं शुरू हुई है। भारतीय वायुसेना का कहना है कि अगर सरकार से सरकार की डील करके राफेल खरीदे जाते हैं तो यह ज्यादा फायदेमंद होगा। साल 2016 में भारत ने 59000 करोड़ रुपये की राफेल विमानों की डील की थी। इसके बाद 36 राफेल विमानों को वायुसेना के बेड़े में शामिल किया गया था।

कुछ देश केवल इसलिए दादागिरी कर पा रहे हैं, क्योंकि... ट्रंप टैरिफ पर बोले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

नागपुर ,13 अगस्त (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अमेरिका के साथ चल रहे टैरिफ तनाव पर परोक्ष रूप से प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो देश आज दुनिया में अपनी 'दादागिरी' दिखा रहे हैं, उसकी वजह है उनका आर्थिक और तकनीकी रूप से मज़बूत होना। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अगर भारत को 'विश्व गुरु' बनना है तो देश को टेक्नोलॉजी और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त होना होगा। गडकरी विश्वेश्वरैया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, अगर हम अपने आयात को कम करें और निर्यात को बढ़ाएं, तो हमें किसी के आगे झुकने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। जो देश आज वैश्विक दबदबा बनाए हुए हैं, वे ऐसा अपनी आर्थिक ताकत और तकनीकी श्रेष्ठता के कारण कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपरा 'विश्व बंधुत्व' की है और भारत की सोच हमेशा समावेशी रही है। अगर हम तकनीकी और आर्थिक रूप से सशक्त भी हो जाएं, तब भी हम किसी पर दबाव नहीं डालेंगे, क्योंकि हमारी संस्कृति में यह बात नहीं है। हमारी सोच 'वसुधैव कुटुंबकम' की है, उन्होंने कहा।

दिल्ली में तेज रफ्तार का कहर!

थार ने पैदल जा रहे 2 लोगों को कुचला एक की मौके पर मौत, एक घायल

नई दिल्ली ,13 अगस्त (एजेंसी)। राजधानी के चाणक्यपुरी इलाके में सुबह एक दर्दनाक हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया। राष्ट्रपति भवन से महज दो किलोमीटर दूर, 11 मूर्ति के पास एक तेज़ रफ्तार थार SUV ने दो राहगीरों को कुचल दिया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल को फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मृतक पैदल ही सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार थार ने अचानक टक्कर मार दी। टक्कर के बाद गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा भिड़ी और उसका अगला पहिया तक निकल गया। चौंकाने वाली बात यह रही कि हादसे के करीब एक घंटे तक मृतक का शव सड़क पर ही पड़ा रहा। चाणक्यपुरी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है और थार गाड़ी को जब्त कर लिया गया है। गाड़ी के भीतर से शराब की कई बोतलें भी बरामद हुई हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक की उम्र 26 साल है और उसने ये गाड़ी अपने एक दोस्त से ली थी।

प्राथमिक पूछताछ में आरोपी ने दावा किया है कि हादसे के वक्त उसे झपकी आ गई थी, जिस वजह से उसने नियंत्रण खो दिया। हालांकि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या युवक शराब के नशे में था। इसके लिए उसका मेडिकल कराया जा रहा है। फोरेंसिक टीम ने गाड़ी से बरामद शराब की बोतलों की भी जांच की है और उन पर मौजूद फिंगरप्रिंट लिए हैं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज़ कर दी है और CCTV फुटेज समेत अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं। चाणक्यपुरी जैसे वीवीआईपी इलाके में हुआ यह हादसा फिर एक बार सवाल खड़ा करता है कि राजधानी की सड़कों पर रफ्तार और लापरवाही कब थमेगी।

नया आयकर विधेयक : निजी पेंशन योजनाओं में टैक्स छूट लागू करने की चल रही तैयारी

नई दिल्ली ,13 अगस्त (एजेंसी)।

सरकार निजी पेंशन योजनाओं में निवेश करने वालों के लिए बड़ी राहत लाने की तैयारी में है। लोकसभा की एक विशेष समिति ने नए आयकर विधेयक में एकमुश्त पेंशन निकासी पर टैक्स नियमों को सभी के लिए समान बनाने की सिफारिश की है। इससे पहले सिर्फ सरकारी और कुछ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को ही इस पर कर में छूट मिलती थी, जबकि स्वयं निवेश करने वाले गैर-नौकरीपेशा लोगों को कोई छूट नहीं मिलती थी। समिति ने इस अंतर को दूर करने का प्रस्ताव रखा है।अभी तक की व्यवस्था के मुताबिक, केंद्र या राज्य सरकार और सेना के कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर मिलने वाली एकमुश्त पेंशन राशि पर पूरी तरह से कर माफ होता था। निजी क्षेत्र के कुछ कर्मचारियों को आंशिक छूट मिलती थी। अगर उन्हें ग्रेच्युटी मिली हो तो एक-तिहाई राशि पर, नहीं तो आधी राशि पर। लेकिन, जिन लोगों ने खुद से एलआईसी जैसी मान्यता प्राप्त निजी पेंशन योजनाओं में निवेश किया है (जैसे स्वरोजगार करने वाले या फ्रीलांसर), उन्हें एकमुश्त पेंशन निकालने पर पूरी राशि पर टैक्स देना पड़ता था। समिति ने इस असमानता को सही नहीं माना है।किसे मिलेगा फायदा : अगर यह प्रस्ताव कानून बन जाता है, तो निम्नलिखित लोगों को एकमुश्त पेंशन निकासी पर भी कर छूट का लाभ मिल सकेगा। जैसे डॉक्टर, वकील, कलाकार या फ्रीलांसर जिन्होंने खुद से मान्यता प्राप्त पेंशन फंड में निवेश किया है। ऐसे निजी क्षेत्र के कर्मचारी, जिनकी कंपनी की कोई पेंशन योजना नहीं है, लेकिन उन्होंने खुद किसी स्वीकृत पेंशन योजना में पैसा लगाया है। अगर पेंशन खाताधारक की मृत्यु हो जाए, तो उसके आश्रितों या नामित व्यक्ति को मिलने वाली एकमुश्त राशि पर भी छूट मिल सकेगी। जो किसी संगठन के सीधे कर्मचारी तो नहीं हैं, लेकिन उसके स्वीकृत पेंशन फंड से लाभ लेते हैं।

एकमुश्त पेंशन निकासी (कम्यूटेड पेंशन) का मतलब है कि रिटायरमेंट के समय व्यक्ति अपनी कुल पेंशन राशि का एक हिस्सा तुरंत एक बड़ी रकम के रूप में ले सकता है। बाकी बचा हिस्सा उसे हर महीने नियमित पेंशन के तौर पर मिलता रहता है। नए नियम से पहले, ज्यादातर लोगों को इस तुरंत मिलने वाली बड़ी रकम पर पूरा टैक्स देना पड़ता था।

सरकार का मानना है कि यह बदलाव रिटायर होने वाले ज्यादा लोगों पर टैक्स का बोझ कम करेगा। इससे लोगों की बचत बढ़ेगी और रिटायरमेंट के बाद उनकी आर्थिक सुरक्षा भी बेहतर होगी। वित्तीय विशेषज्ञ भी मानते हैं कि यह कदम सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के बीच टैक्स नियमों में एकरूपता लाएगा। इसके अलावा, समिति ने आयकर से जुड़े कुछ और नियमों में भी सुधार की सिफारिश की है।

सिर्फ टीडीएस (स्रोत पर काटा गया कर) वापसी के लिए अब पूरा आईटीआर दाखिल करना जरूरी नहीं होगा। इसके बजाय एक सरल फॉर्म भरने का प्रस्ताव है। पहले प्रस्ताव के मुताबिक, एक तय समय सीमा के बाद रिटर्न दाखिल करने पर रिफंड नहीं मिलता था। समिति ने इसमें बदलाव की सिफारिश की है ताकि देर से रिटर्न भरने वालों को भी रिफंड मिल सके। शून्य टीडीएस सर्टिफिकेट करदाताओं को यह सुविधा मिल सकेगी कि वे टैक्स कटने से पहले ही शून्य टीडीएस का सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उनकी आय पर टैक्स नहीं कटेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में इस नए आयकर विधेयक को पेश करेंगी। भाजपा सदस्य बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली लोकसभा की प्रवर समिति ने आयकर विधेयक पर 285 सुझाव दिए, जिन्हें सरकार ने स्वीकार कर लिया। यदि यह विधेयक पास हो जाता है, तो यह बदलाव निजी पेंशन योजनाओं में निवेश करने वाले लाखों लोगों के लिए वित्तीय राहत ला सकता है।

आपरेशन सिंदूर के दौरान आईएएफ ने बनाया दुर्लभ रिकॉर्ड

नई दिल्ली ,13 अगस्त (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के तीन महीने बाद भारतीय वायुसेना ने पहली बार उस बड़े हवाई हमले का खुलासा किया है, जिसे सैन्य विशेषज्ञ आधुनिक हवाई युद्ध के इतिहास में अभूतपूर्व मानते हैं। शनिवार को बेंगलुरु में एक व्याख्यान के दौरान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने बताया कि 7 मई को पाकिस्तान का एक बड़ा हवाई प्लेटफॉर्म लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया गया। यह संभवत: इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस या एयरबॉर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल विमान था।

वायुसेना प्रमुख ने इसे अब तक की सबसे लंबी दूरी से दर्ज सतह-से-आकाश मारक कार्रवाई बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रिकॉर्ड विमान के आकार नहीं, बल्कि दूरी के लिहाज से है। चूंकि मलबा दुश्मन की सीमा में गिरा, ऐसे मामलों की स्वतंत्र पुष्टि कठिन होती है, लेकिन इस घटना की पुष्टि इलेक्ट्रॉनिक ट्रैकिंग से की गई। अधिकारियों के अनुसार, रडार पर लक्ष्य का ब्लिप दिखा और फिर गायब हो गया, जिससे पुष्टि हुई कि वह मार गिराया गया।

300 किमी की दूरी से हवाई लक्ष्य को गिराने के लिए लंबी दूरी की इंटरसेप्टर मिसाइल, सटीक ट्रैकिंग, स्थिर टार्गेट लॉक और निरंतर मार्गदर्शन क्षमता की आवश्यकता होती है। यह क्षमता भारतीय वायुसेना ने हाल ही में रूसी एस-400 प्रणाली के आने के बाद हासिल की है। इस प्रणाली की 400 किमी तक की मारक क्षमता ने पाकिस्तानी विमानों को इतनी दूरी पर रोक दिया कि वे लंबी दूरी के ग्लाइड बम का भी इस्तेमाल नहीं कर सके। इतनी दूरी से सतह-से-आकाश हमले के उदाहरण बेहद कम हैं। फरवरी 2024 में यूक्रेन ने दावा किया था कि उसने रूस के A-50 जासूसी विमान को 200 किमी से अधिक दूरी पर गिराया, जबकि फरवरी 2022 में यूक्रेन का एक Su-27 लड़ाकू विमान रूसी S-400 से लगभग 150 किमी की दूरी पर गिरा। 300 किमी की दूरी से इस तरह का हमला सार्वजनिक रूप से दर्ज होना अत्यंत दुर्लभ है।

इको कार की टक्कर से पुलिस कॉन्स्टेबल की मौत

चौमूं ,13 अगस्त (एजेंसी)। जयपुर-सीकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पुलिस कॉन्स्टेबल की मौत हो गई। हादसा चौमूं कस्बे के पास राधास्वामी बाग पुलिया पर हुआ, जब एक तेज रफ्तार इको कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि मृतक की पहचान 36 वर्षीय राजेंद्र कुमार सामोता पुत्र लक्ष्मीनारायण सामोता, निवासी बधाल गांव (थाना रेनवाल) के रूप में हुई है। राजेंद्र कुमार सुबह करीब 7 बजे ड्यूटी के लिए जयपुर जा रहे थे। जैसे ही वे राधास्वामी बाग पुलिया के पास पहुंचे, सामने से आ रही इको कार ने उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कॉन्स्टेबल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोग उन्हें तुरंत चौमूं के बराला अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हादसे में शामिल कार और चालक की पहचान की जा सके। कॉन्स्टेबल राजेंद्र कुमार 2015 बैच में राजस्थान पुलिस में भर्ती हुए थे और वर्तमान में जयपुर पुलिस लाइन में कार्यरत थे। उनकी आकस्मिक मौत से पुलिस विभाग में शोक की लहर है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

रेवाड़ी की छात्रा का फरीदाबाद यूनिवर्सिटी हॉस्टल में संदिग्ध हालात में निधन

रेवाड़ी ,13 अगस्त (एजेंसी)। हरियाणा के फरीदाबाद में स्थित जेसी बोस यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के गर्ल्स हॉस्टल में एक 22 वर्षीय छात्रा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लगता है, लेकिन मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे कारण स्पष्ट नहीं हो पाया।जानकारी के अनुसार, मृतका का नाम वंशिका था, जो रेवाड़ी निवासी अविनाश कुमार की बेटी थी। वह बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष की छात्रा थी और सरोजनी गर्ल्स हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। शाम के समय हॉस्टल की अन्य छात्राओं ने वंशिका के कमरे का दरवाज़ा खुला देखा और अंदर पंखे से लटकता हुआ उसका शव पाया। तुरंत वॉर्डन को खबर दी गई, जिसने पुलिस को सूचित किया।सूचना मिलते ही सेक्टर-7 चौकी प्रभारी राकेश कुमार पुलिस टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों को भी बुलाया गया और उनकी मौजूदगी में शव को नीचे उतारकर बीके सिविल अस्पताल की मॉर्च्युरी में सुरक्षित रखवा दिया गया। पुलिस का कहना है कि कमरे की तलाशी में न तो कोई सुसाइड नोट मिला और न ही कोई ऐसा सुराग जो घटना के पीछे का कारण बताए। चौकी प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि— हम मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं। वंशिका के सहपाठियों, हॉस्टल की अन्य छात्राओं और उसके परिचितों से पूछताछ की जाएगी, ताकि यह समझा जा सके कि किन परिस्थितियों में उसने यह कदम उठाया।

शिमला के चर्चित बिशप कॉटन स्कूल के 3 छात्र लापता

शिमला ,13 अगस्त (एजेंसी)। देश के प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूलों में शामिल बिशप कॉटन स्कूल (बीसीएस), शिमला के तीन छात्र रहस्यमय तरीके से लापता हो गए। ये तीनों छात्र 'आउटिंग डे' पर खरीदारी के लिए मालरोड गए थे, लेकिन वापस स्कूल नहीं लौटे। छात्रों की उम्र कम होने और देर रात तक कोई सुराग न मिलने के कारण स्कूल प्रशासन और परिजन गहरी चिंता में हैं।

लापता छात्र छठी कक्षा के हैं और वे करनाल (हरियाणा), मोहाली (पंजाब) और कुल्लू (हिमाचल) के रहने वाले बताए जा रहे हैं। बच्चों के साथ अन्य छात्र भी गए थे, लेकिन वे सभी समय पर लौट आए। पुलिस ने बच्चों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। खास तौर पर शोघी और उसके आसपास के इलाकों में जाने वाले वाहनों की गहन जांच की जा रही है। शिमला पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली और हरियाणा पुलिस से भी संपर्क साधा है।

एसएसपी संजीव कुमार गांधी ने बताया कि बच्चों की खोज के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं और सभी संभावित रास्तों, होटलों, सार्वजनिक स्थलों और बस अड्डों पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा, संभावना है कि बच्चे रास्ता भटक गए हों, लेकिन अपहरण की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। हम हर एंगल से जांच कर रहे हैं। बीसीएस स्कूल प्रबंधन ने बच्चों की गुमशुदगी की औपचारिक शिकायत पुलिस को सौंपी है।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत का आरोप

भारतीय चुनाव आयोग को नॉर्थ कोरिया, रूस और चीन जैसा बनाने की कोशिश

जयपुर ,13 अगस्त (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली भारत को उन देशों की तरह बना रही है, जहां एक ही पार्टी का वर्चस्व होता है, जैसे नॉर्थ कोरिया, चीन और रूस। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने #VoteChori के सबूत जनता के सामने रखकर वोटर लिस्ट में हो रही कथित गड़बड़ियों का खुलासा किया है। देश को उन सबूतों पर भरोसा है। चुनाव आयोग द्वारा शपथ पत्र की मांग करना बेतुका है और यह केवल अपनी साख बचाने का प्रयास लगता है, उन्होंने आरोप लगाया।उन्होंने 2018 में मुख्य चुनाव आयुक्त रहे ओ.पी. रावत का हवाला देते हुए कहा, रावत ने स्वीकार किया था कि उनके कार्यकाल में यदि कोई वरिष्ठ नेता आरोप लगाता था तो चुनाव आयोग स्वत: जांच करता और जनता के सामने तथ्य रखता, ताकि भरोसा बना रहे। गहलोत ने सवाल उठाया कि अतीत में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और नरेंद्र मोदी समेत कई विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाए थे।

क्या तब उनसे भी शपथ पत्र मांगा गया था? उन्होंने पूछा। उन्होंने तर्क दिया कि यदि राहुल गांधी के बजाय कोई खोजी पत्रकार या मीडिया संस्थान इस तरह का खुलासा करता, तो क्या आयोग निष्पक्ष जांच करता या उनसे भी शपथ पत्र की मांग करता?

तृणमूल विधायक लवली ने वामपंथी नेता सुजन चक्रवर्ती को बांधी राखी

कोलकाता ,13 अगस्त (एजेंसी)। तृणमूल विधायक लवली मैत्रा ने माकपा नेता सुजन चक्रवर्ती को राखी बांध कर राजनीतिक सौहार्द की मिसाल पेश की है। आज पश्चिम बंगाल युवा कल्याण विभाग और सोनारपुर ब्लॉक की ओर से सोनारपुर के तेमथा इलाके में राखी बंधन का आयोजन किया। लवली मैत्रा वहां मौजूद थीं। सुबह से ही वह छोटे-बड़े सभी को मुस्कुराते हुए राखी बांध रही थीं। उस समय वामपंथी नेता सुजन चक्रवर्ती वहां से गुज़र रहे थे। वह लवली के विधानसभा क्षेत्र के निवासी हैं। वामपंथी नेता को देखकर तृणमूल विधायक राखी बांधने के लिए आगे बढ़ीं। सुजन ने भी मुस्कुराते हुए इसे स्वीकार किया। राखी बांधने के बाद लवली ने कहा, सुजन दा मेरे विधानसभा क्षेत्र में रहते हैं, वह मुझसे उम्र में बड़े हैं। मेरे अभिभावक हैं। उनका भविष्य मंगलमय हो, वह स्वस्थ रहें। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहती हूं। सुजन ने कहा, बहन अपने भाई की सलामती के लिए राखी बांधती है। और भाई उसकी रक्षा की ज़िम्मेदारी लेता है।लवली मैत्रा वहां मौजूद थीं। सुबह से ही वह छोटे-बड़े सभी को मुस्कुराते हुए राखी बांध रही थीं। उस समय वामपंथी नेता सुजन चक्रवर्ती वहां से गुज़र रहे थे। वह लवली के विधानसभा क्षेत्र के निवासी हैं। वामपंथी नेता को देखकर तृणमूल विधायक राखी बांधने के लिए आगे बढ़ीं। सुजन ने भी मुस्कुराते हुए इसे स्वीकार किया। राखी बांधने के बाद लवली ने कहा, सुजन दा मेरे विधानसभा क्षेत्र में रहते हैं, वह मुझसे उम्र में बड़े हैं। मेरे अभिभावक हैं।

एसआईआर पर चुनाव आयोग का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा

कहा- 'बिना नोटिस और सुनवाई के किसी भी वोटर का नहीं हटाया जाएगा नाम

पटना ,13 अगस्त (एजेंसी)। बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठे विवाद के बीच चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करते हुए स्पष्ट किया है कि राज्य में किसी भी पात्र मतदाता का नाम बिना पूर्व सूचना, सुनवाई का अवसर और सक्षम अधिकारी के तर्कपूर्ण आदेश के बिना मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। आयोग ने कहा कि हर योग्य मतदाता का नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए सभी संभव कदम उठाए जा रहे हैं और इस दिशा में सख्त निर्देश जारी किए गए हैं।

यह मामला तब सुर्खियों में आया जब एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने आरोप लगाया कि बिहार में एसआईआर के दौरान गलत तरीके से 65 लाख मतदाताओं को सूची से बाहर कर दिया गया है। 6 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। अब 12 अगस्त को इस मामले पर फिर से सुनवाई होगी।

आयोग ने अपने अतिरिक्त हलफनामे में बताया कि एसआईआर का पहला चरण पूरा हो चुका है और 1 अगस्त 2025 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। यह चरण बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं के नाम और आवश्यक फॉर्म जुटाने के बाद पूरा हुआ। कुल 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ लोगों ने अपने नामों की पुष्टि की या फॉर्म जमा किए। इस व्यापक

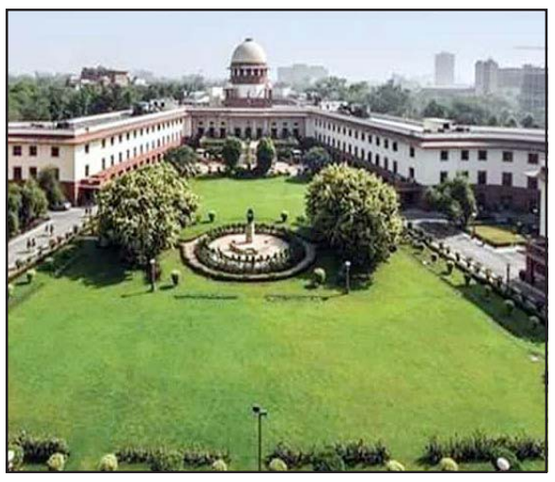

अभियान में बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, 38 जिला निर्वाचन पदाधिकारी, 243 निर्वाचन पंजीकरण पदाधिकारी, 77,895 बीएलओ, 2.45 लाख स्वयंसेवक और 1.60 लाख बूथ स्तर एजेंट सक्रिय रहे। चुनाव आयोग ने आगे कहाआयोग ने अपने अतिरिक्त हलफनामे में बताया कि एसआईआर का पहला चरण पूरा हो चुका है और 1 अगस्त 2025 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है।

यह चरण बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं के नाम और आवश्यक फॉर्म जुटाने के बाद पूरा हुआ। कि राजनीतिक दलों को समय-समय पर छूटे हुए मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराई गई, ताकि समय रहते नाम जोड़े जा सकें। प्रवासी मजदूरों के लिए 246 अखबारों में हिंदी में विज्ञापन जारी किए गए और ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से फॉर्म भरने की सुविधा दी गई। शहरी निकायों में विशेष कैंप आयोजित किए गए, युवाओं के पंजीकरण के लिए अग्रिम आवेदन की व्यवस्था की गई, जबकि वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और कमजोर वर्गों की मदद के लिए 2.5 लाख स्वयंसेवक तैनात किए गए।

चुनाव आयोग ने विशेष रूप से स्पष्ट किया है कि किसी भी नाम को प्रारूप सूची से हटाने से पहले नोटिस जारी करना, संबंधित व्यक्ति को सुनवाई का अवसर देना और सक्षम अधिकारी का कारणयुक्त आदेश आवश्यक होगा। प्रारूप सूची पर दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अवधि 1 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक निर्धारित की गई है, जिसके लिए ऑनलाइन और प्रिंट दोनों प्रारूप उपलब्ध कराए गए हैं।

आयोग ने आगे कहा कि प्रक्रिया की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता के लिए रोजाना प्रेस विज्ञप्ति जारी की जा रही है, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम अंतिम मतदाता सूची से वंचित न रह जाए।

शहर में सबसे ज्यादा कवर्ड कॉलोनियों में चोरी: क्योंकि गार्ड रोक टोक नहीं कर रहे, सीसीटीवी कैमरे बंद, पुलिस पेट्रोलिंग भी कम

रायपुर,13 अगस्त (एजेंसी)। शहर में लोग बेहतर और कड़ी सुरक्षा के लिए कवर्ड कॉलोनियों में लाखों-करोड़ों रुपए खर्च कर मकान खरीद रहे हैं। लेकिन अभी इन्हीं कवर्ड कॉलोनियों में चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार ही हर हफ्ते औसतन दो चोरी इन्हीं कवर्ड कैंपसों में हो रही है। इस वजह से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। कवर्ड कैंपसों में सुरक्षा गार्ड नाम मात्र के लिए हैं।कॉलोनी में किसी भी समय आओ-जाओ वे कोई रोक-टोक नहीं करते हैं। कई कॉलोनियों के सीसीटीवी कैमरे भी बंद हैं। इस वजह से चोरी के बाद पता ही नहीं चलता कि चोरी आखिर कैसे और किसने की। इतना ही नहीं रात में होने वाली पेट्रोलिंग भी कम हो गई है। राजधानी में अभी 3 अगस्त को तीन कवर्ड कॉलोनी स्टर्लिंग होम सरोवर पोर्टीक, रायल रेजेन्सी और हिमालयन हाइट्स के 5 फ्लैट में केवल छह घंटे के भीतर चोरी हो गई।साइंस सेंटर के पीछे स्थित एक सोसायटी में साइकिल और वहां निर्माणाधीन मकान में चोरी हो गई। इन सभी जगहों पर सुरक्षा गार्ड मौजूद थे। इसके बावजूद चोरी हो गई। चोर आराम से इन सोसायटियों में गए। गेट पर उनका नाम, पता और मोबाइल नंबर तक नोट नहीं किया गया। कॉलोनी में घुसकर घरों के ताले तोड़कर कैश व जेवर लेकर भाग गए। इसी तरह की चोरी हर हफ्ते हो रही है। अपार्टमेंट, कॉलोनी या कवर्ड कैंपसों में हो रही चोरी को रोकने में पुलिस नाकाम है।रिपोर्टरों की टीम शहर की अलग-अलग 13 सोसायटियों में पहुंची। किसी भी कैंपस में रात 11 से 20 बजे तक किसी ने नहीं रोका। कई जगहों पर मुख्य प्रवेश द्वार पर सुरक्षा गार्ड मिले, लेकिन किसी भी

संवाददाता की गाड़ी नहीं रोकी। रिपोर्टर आराम से कॉलोनी में दाखिल हो गए। कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे की पड़ताल की गई तो पता चला कि वो खराब है।अधिकतर जगहों पर पूरे सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे। भास्कर टीम ने अशोका रतन, कैपिटल होम, कैपिटल सिटी, सफायर ग्रीन, मौलश्री विहार, फाफाडीह रोड में स्थित कॉलोनियां, शंकरनगर के कवर्ड अपार्टमेंट समेत कई जगहों की जांच की। कुछ कॉलोनियों में भास्कर रिपोर्टर हेलमेट लगाकर गए। चेहरा नहीं दिखने के बावजूद गार्ड ने नहीं रोका। रिपोर्टर ने सोसायटी के भीतर एक राउंड लगाया। कुछ देर रुकने के बाद निकल गए।छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड और रायपुर विकास प्राधिकरण की कवर्ड कॉलोनियों और अपार्टमेंट का और भी बुरा हाल मिला। आरडीए के रायपुर स्थित इंद्रप्रस्थ फेस वन और टू, बोरियाकला और बोरियाखुर्द में स्थित कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड की सरोना, कचना, सड्डू और सेजबहार में स्थित कॉलोनियों में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है। इन सभी जगहों पर कोई भी कभी भी आ-जा सकता है। कई कॉलोनियों में गार्ड तक नहीं मिले। वहां के लोगों से बात की तो पता चला कि सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगाए गए हैं। जहां लगाए गए वो कई महीनों से खराब हैं। इन्हें ठीक तक नहीं कराया गया है। कॉलोनी में किसी भी किस्म के लोग आसानी से आना-जाना कर रहे थे।राजधानी में रात की पुलिस पेट्रोलिंग केवल नाम की रह गई है। पेट्रोलिंग के लिए घूमने वाली गाड़ियां केवल मुख्य सड़कों पर दिखाई देती हैं। कॉलोनियों के अंदर या बाहर कोई भी पुलिस वाला नहीं जाता। गश्त प्वा?इंट में खड़े सिपाही, हवलदार से लेकर पुलिस अधिकारी तक किसी को रोकते-टोकते नहीं है। सड़कों से या कॉलोनी से कौन गुजर रहा है, गाड़ी में कौन-कितने लोग बैठे हैं किसी भी पुलिसवाले का इस पर ध्यान नहीं जाता है। पुलिस वालों के सामने ही हाईस्पीड में लहराते हुए गाड़ियां निकाल जाती है। कॉलोनियों के आसपास पैदल घूमने वालों से भी पूछताछ नहीं हो रही है। सोसायटी में सुरक्षा गार्ड क्या कर रहे हैं इसकी भी जांच नहीं की जाती है।ट्ट यह सच है कि अभी कवर्ड कैंपस या कॉलोनियों में सुरक्षा व्यवस्था लचर है। कॉलोनी-सोसायटी वालों को बुलाकर इसे दुरुस्त कराएंगे। सीसीटीवी कैमरे हर हाल में चलेंगे। सुरक्षा गार्डों को ट्रेनिंग दिलाएंगे।

भीषण सड़क हादसे में युवक की मौत पत्नी और मासूम बेटा घायल

सूरजपुर, 13 अगस्त (एजेंसी)। रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व के दिन सूरजपुर जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। बिश्रामपुर-दतिमा मार्ग पर ग्राम सपकरा निवासी अनिरुद्ध देवांगन (25 वर्ष) अपनी पत्नी और बेटे के साथ बाइक से ससुराल जा रहा था, तभी सीएचपी भटगांव से कोयला अनलोड कर लौट रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। यह घटना एचपी पेट्रोल पंप, बिश्रामपुर के पास हुई। हादसे में अनिरुद्ध की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और मासूम बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तुरंत सूरजपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दुर्घटना ने रक्षाबंधन जैसे त्योहारी दिन को मातम में बदल दिया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने घटनास्थल पर ही चक्काजाम कर दिया, जिससे मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन की टीम, जिसमें एसडीएम शिवानी जायसवाल और तहसीलदार शामिल थे, मौके पर पहुंची। उन्होंने लोगों से बातचीत कर माहौल को शांत किया और पीड़ित परिवार को 25 हजार रुपए की तात्कालिक सहायता राशि प्रदान की। इस दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है और चालक के खिलाफमामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं, स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि स्कूल समय और साप्ताहिक बाजार के दौरान भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया जाए। भाजयुमो मंडल उपाध्यक्ष अनूप जायसवाल ने भी दिन में कोयला परिवहन पर रोक लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके। यह हादसा न केवल एक परिवार के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक चेतावनी है। यह सवाल अब गंभीरता से उठाया जा रहा है कि क्या भारी वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया जाना चाहिए, खासकर रिहायशी और संवेदनशील इलाकों में।

अपहरण और फिरौती की सनसनीखेज वारदात, दो आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर, 13 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में अपहरण और फिरौती का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। बसंतपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले विजय मरकाम को 6 अगस्त को बहाने से बुलाकर कार में जबरन बैठाया गया और उत्तर प्रदेश के बीजपुर ले जाकर बंधक बना लिया गया। आरोपियों ने उसे एक मोबाइल टावर के पैनल रूम में छिपाकर रखा और उसके भाई बृजेश सिंह मरकाम से 3 लाख रुपये की फिरौती की मांग की। फिरौती नहीं देने पर युवक की हत्या की धमकी दी गई। यह मामला तब सामने आया जब 7 अगस्त को विजय ने खुद अपने भाई को कॉल कर बताया कि वह तीन अज्ञात व्यक्तियों के साथ है। कॉल के दौरान एक आरोपी ने फोन छीनकर सीधे फिरौती की मांग की और शाम तक रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। 8 अगस्त को बृजेश ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने तकनीकी सहायता से विजय के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की और पाया कि वह बीजपुर, उत्तर प्रदेश में है। विशेष टीम ने वहां दबिश देकर विजय को सुरक्षित छुड़ा लिया और दो आरोपियों सद्दाम अंसारी और रोहित कुमार चौरसिया को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल किया। पुलिस ने उनके पास से अपहरण में इस्तेमाल की गई कार और मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। अपहृत युवक विजय मरकाम ने बताया कि आरोपी उसे प्रेमनगर चौक से यह कहकर ले गए कि लकड़ी देखने चलना है और बाद में बीजपुर ले जाकर बंधक बना लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपियों को विजय पर लकड़ी की तस्करी में मुखबिरी करने का शक था और उन्होंने नुकसान की भरपाई के नाम पर फिरौती की मांग की थी। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है, लेकिन पुलिस की तत्परता और सक्रियता से एक बड़ा हादसा टल गया और युवक को सकुशल वापस लाया गया। फिलहाल मामला जांच के अधीन है और पुलिस अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।

हत्या मामले को लेकर लापरवाही पर पुलिसिया कार्रवाई, एसआई निलंबित, टीआई लाइन अटैच

बिलासपुर, 13 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एक युवक की हत्या के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एसएसपी रजनेश सिंह ने लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए सहायक उपनिरीक्षक गजेंद्र शर्मा को निलंबित कर दिया है, जबकि कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक पांडेय को लाइन अटैच कर दिया गया है। यह कदम 8 अगस्त को हुई दीपक साहू की हत्या के बाद उठाया गया, जिसकी शिकायत पीड़ित ने पहले ही दर्ज करवाई थी लेकिन पुलिस की अनदेखी के चलते समय रहते कार्रवाई नहीं हो सकी।घटना की शुरुआत 5 अगस्त को हुई थी जब दीपक साहू ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जगदलपुर, 13 अगस्त (एजेंसी)। परपा थाना क्षेत्र के बिरिंगपाल में किराए के मकान में रह रही युवती ने बीती रात पति से हुए विवाद के बाद अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी लगने के बाद मेकाज के पीएम घर मे जवानों की ड्यूटी लगा दी गई है। उल्लेखनीय है कि कुकानार निवासी खुशबू मौर्य 23 वर्ष ने करीब सालभर पहले जॉन कश्यप नामक युवक से भागकर शादी की थी। युवती के द्वारा भागकर शादी कर लेने से परिजनों में नाराजगी देखने को मिली, वहीं जॉन पहले से शादीशुदा होने की जानकारी लगने के बाद भी खुशबू ने जॉन कश्यप से शादी कर ली थी। जॉन कश्यप ने खुशबू को बिरिंगपाल में एक पुलिस जवान के घर में किराए के मकान में रखा हुआ था। रक्षाबंधन के दिन जॉन अपने दोस्तों के साथ खुशबू से मिलने के लिये आया हुआ था, जहाँ खुशबू ने एक युवक को राखी भी बांधी थी। रक्षाबंधन के बाद जॉन अपने दोस्तों के साथ निकल गया। थोड़ी देर के बाद फोन में ही दोनों के बीच मे किसी बात को लेकर बहसबाजी होने लगी, इसके बाद खुशबू ने अपने किराए के मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जॉन द्वारा बार-बार खुशबू को फोन करने पर जब फोन नहीं उठाया गया तो, उसे शक हुआ, जिसके बाद वह बिरिंगपाल वाले किराए के मकान में पहुँचा, तो देखा कि खुशबू फंदे में लटकी हुयी थी। आसपास के लोगों को जानकारी देने के बाद खुशबू के गले मे बंधे रस्सी को काटकर उसे उपचार के लिए मेकाज लाया गया, जब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इधर खुश्बू के परिजनों का कहना था कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या है। हमेशा मारपीट करता था पति बताया जा रहा है कि खुशबू ने अपने साथ मारपीट होने की बात अपने माँ को फोन में बतायी थी और माँ व घर के अन्य सदस्यों ने उसके घर का लोकेशन भी पूछा था, लेकिन जब तक खुशबू के बारे में कोई जानकारी मिलती, खुशबू की मौत की खबर सामने आ गई थी। कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग इस मामले में आदिवासी समाज के संभागीय उपाध्यक्ष हिड़मा राम कुंजाम ने बताया कि मृतिका की माँ ने आज सुबह घटना की जानकारी दी है, जिसके बाद हम सभी जगदलपुर आये हैं। उन्होंने आरोपी के खिलाफकड़ी से कड़ी कार्यवाही किए जाने की मांग की है। मृतका ने भाई को फोन पर बताया मृतिका के भाई छोटे मौर्य ने बताया कि बीती रात को बहन ने फोन में बताया था कि, पति के द्वारा उसके साथ मारपीट की रही है, साथ ही मारने की कोशिश कर रहा है, जिसके कुछ देर के बाद युवती की मौत की खबर सामने आई। परिजनों का कहना है कि इस मामले में आरोपी के खिलाफसख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

महिला की फर्श पर डिलीवरी...4 घंटे तड़पती रही गर्भवती: प्री-मैच्योर बच्चा जन्मा, खून भी परिजनों से साफ करवाया, सूरजपुर में ड्यूटी से गायब थे डॉक्टर-नर्स

सूरजपुर,13 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में गर्भवती महिला ने अस्पताल के फर्श पर बच्चे को जन्म दिया। भटगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के लिए आई महिला 4 घंटे तक दर्द से तड़पती रही। हॉस्पिटल में न नर्स मिली, न ही ड्यूटी डॉक्टर। मजबूरन सास ने फर्श पर ही असुरक्षित तरीके से प्रसव करवाया।प्रसव के दौरान फर्श पर खून फैल गया था, जिसे परिजनों ने ही साफ किया। नवजात शिशु को प्री-मैच्योर बताया गया है। मामला सामने आने पर ष्टरू।ह्र ने जांच टीम गठित की है। उन्होंने जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की बात कही है।जानकारी के मुताबिक, कुंती बाई (30) भैयाथान ब्लॉक के ग्राम असना ढोढ़ी की रहने वाली हैं। शनिवार को उसे प्रसव पीड़ा होने लगी। कुंती बाई के परिजनों ने गांव

की मितानिन से संपर्क किया। पता चला कि वह रायपुर में है। मितानिन ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भटगांव में ले जाने की सलाह दी।सास इंजोरिया बाई बहू को लेकर हॉस्पिटल पहुंची। हॉस्पिटल में उसे डिलीवरी रूम में भेज दिया गया। प्रसव विभाग में जिस नर्स की ड्यूटी लगी थी, वह बिना पूर्व सूचना के गायब थी। उसका फोन भी बंद मिला। ड्यूटी डॉक्टर शीला सोरेन का भी फोन बंद मिला।हॉस्पिटल में डॉक्टर और नर्स के नहीं होने के कारण प्रसूता कुंती बाई 4 घंटे तक दर्द से तड़पती रही। 4 घंटे बाद उसने हॉस्पिटल के फर्श पर ही नवजात को जन्म दिया। उसकी सास इंजोरिया ने प्रसूता की मदद करते हुए प्रसव कराया। फिर बच्चे को फर्श से उठाकर बेड पर रखा।परिजन से साफ किया फर्श पर फैला खूनप्रसव के दौरान हॉस्पिटल की फर्श पर खून फैल गया था, जिसे सास इंजोरिया बाई ने साफ किया। फिर उसने कुंती को बेड पर लिटाया। करीब 4 घंटे बाद दूसरी ड्यूटी डॉक्टर साक्षी सोनी पहुंची। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि मुझे किसी ने सूचना नहीं दी।प्रसव के बाद जन्मा बच्चा भी प्रीमैच्योर बताया गया है। मामला सामने आया तो बीएमओ डॉ. राकेश सिंह ने पहले कहा कि मेरे बस में कुछ भी नहीं है। बाद में उन्होंने जांच का आश्वासन दिया।मामले में सूरजपुर ष्टरू।ह्र डॉ. कपिल देव पैकरा ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। मामले की जांच के लिए कमेटी बना दी गई है। सोमवार को जांच कराई जाएगी। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।इसके पूर्व सरगुजा में भी फर्श में प्रसव का मामला सामने आया था। मामले को हाईकोर्ट बिलासपुर ने स्वत: संज्ञान में लेते हुए नोटिस जारी किया था।

अव्यवस्था की लाचारी...एंबुलेंस कच्ची सड़क पर नहीं आई, बीमार को आधा किमी गोद में ले गए

रायगढ़,13 अगस्त (एजेंसी)। अच्छी सड़कों के तमाम दावे किए जा रहे हैं, पर प्रदेश के दूरदराज इलाकों में हालत खराब है। खराब सड़कों की पोल खोल रही है रायगढ़ की ग्राम पंचायत विजयनगर। वहां से कंडरजा मोहल्ला तक जाने के लिए पक्की सड़क नहीं है।

बारिश में कच्ची सड़क इतनी खराब हो जाती है कि पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। ऐसे में अगर कोई बीमार पड़ जाए तो जान बचाना मुश्किल हो जाता है। ये तस्वीर उसी व्यथा को उजागर कर रही है।कापू थाना क्षेत्र के तहत विजयनगर पंचायत में शुक्रवार को कंडरजा निवासी

55 वर्षीय तुलसी बाई राठिया को तेज बुखार और कंपकंपी हो रही थी। जब हालत बिगड़ी, तो उनके पति लक्ष्मण राठिया अस्पताल ले जाने लगे। रास्ता इतना खराब था कि न एंबुलेंस और न ही कोई गाड़ी घर तक पहुंच सकी। लक्ष्मण ने तब पड़ोसी दुलेश्वर की मदद से पत्नी को गोद में उठाया और कीचड़ भरे रास्ते पर पैदल चल पड़े।करीब 500 मीटर चलने के बाद जब साफ रास्ता मिला, तब वहां से ऑटो की मदद से तुलसी बाई को अस्पताल ले जाया गया। विजयनगर गांव से कापू अस्पताल की दूरी सिर्फ 5 किलोमीटर है। लेकिन खराब सड़क के कारण उन्हें घूमकर दूसरे रास्ते से होकर करीब 15 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी। इसके बाद महिला को अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज जारी है।

अव्यवस्था की लाचारी...एंबुलेंस कच्ची सड़क पर नहीं आई, बीमार को आधा किमी गोद में ले गए अच्छी सड़कों के तमाम दावे किए जा रहे हैं, पर प्रदेश के दूरदराज इलाकों में हालत खराब है। खराब सड़कों की पोल खोल रही है रायगढ़ की ग्राम पंचायत विजयनगर।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगी, एक महिला गिरफ्तार

जगदलपुर, 13 अगस्त (एजेंसी)। नौकरी दिलाने के नाम ठगी करने वाली महिला रूखसार खान को आज बोधघाट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसपी शलभ सिंहा के मुताबिक जिले के थाना बोधघाट में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी के मामलों को लेकर प्रार्थी संजय कुमार कड़ियाम तथा महेंद्र सिंह सोढ़ी द्वारा रिपोर्ट दर्ज करायी गयी थी कि, रुखसार खान नामक महिला द्वारा गीदम जावंगा शिक्षा विभाग में बड़े अधिकारियों से परिचय होना बताकर प्यून के लिए 50 हजार एवं कंप्यूटर ऑपरेटर के लिए एक लाख की मांग कर नौकरी लगाने के नाम से डेढ़ लाख रुपए लेकर तथा गीदम जनपद पंचायत कार्यालय बोधघाट में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया था।

रायपुर में मां-बेटी की मौत बनी रहस्य:पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में जहर ट्रेस नहीं हुआ, गले की हड्डी भी सलामत, रक्षाबंधन के दिन मिली थी लाश

रायपुर 13 अगस्त (एजेंसी)। रायपुर में मां-बेटी की मौत की गुत्थी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद उलझ गई है। क्करूरिपोर्ट में जहर देने की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं मां-बेटी की गले की हड्डी भी सलामत है, इसका मतलब है गला दबाकर भी हत्या नहीं हुई है।पुलिस के लिए अब राखी के दिन घर पर हुईं दोनों की मौत रहस्यमयी पहेली बन गई है। हालांकि दोनों महिलाओं का विसरा प्रिजर्व किया गया है। पुलिस अफसरों का कहना है कि विसरा रिपोर्ट के आने के बाद ही अब मौत की वजह का खुलासा हो पाएगा। पुलिस ने मौत के कुछ मिनट पहले तक घर में मौजूद बेटे को हिरासत में लिया था लेकिन, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और पूछताछ में उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले जिसके बाद उसे कुछ घंटों में छोड़ दिया गया। मामला तिल्दा के खरोरा थाना क्षेत्र का है। रक्षाबंधन के दिन दोनों मां-बेटी की लाश मिली थी।रायपुर से

लगे खरोरा के पचरी गांव के सतनामी पारा में मां-बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली थी। बिंदा बाई चतुर्वेदी (55) अपने बेटे शीतल चतुर्वेदी (34) के साथ गांव के घर में रहती थी। रक्षाबंधन (9 अगस्त) के दिन सुबह करीब 11 बजे बिंदा की बेटी उषा मनहरे (40) त्योहार मनाने अपने मायके पचरी गांव आई थी।उषा लोग 2 भाई 2 बहन है। शाम को उषा की बड़ी बहन का बेटा धीरज भी घर आया था। धीरज अपनी मौसी और नानी के साथ बातचीत की खाना खाया और अपने घर वापस चला गया।

उस दौरान घर में मौजूद भाई शीतल नशे की हालत में सोया था। रात करीब 8 बजे शीतल सोकर उठा और तालाब जाने के लिए घर से निकला तो उसकी मां बिंदा बाई और बहन उषा आपस में बात कर रहे थे।लेकिन शीतल तालाब नहीं जाकर आधे रास्ते से ही घर वापस आ गया। वापस घर पहुंचते ही उसने देखा कि बरामदे में मां और बहन उषा अंदर कमरे में जमीन पर गिरी थी और तड़प रही थी।उसने फौरन पड़ोस के डॉक्टर को बुलाया। लेकिन दोनों महिलाओं की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टर ने इलाज करने से इनकार कर दिया। फिर डॉक्टर ने एंबुलेंस को बुलाया और पुलिस को सूचना दी गई। लेकिन अस्पताल ले जाने तक दोनों मां-बेटी की मौत हो चुकी थी।रात करीब 9 बजे खरोरा पुलिस को सूचना मिली। पुलिस ने दोनों मां-बेटी की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इधर मौत से कुछ मिनट पहले घर पर मौजूद शीतल चतुर्वेदी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।उसने पूछताछ में बताया कि मां और बहन को तालाब जाने से पहले आपस में बात करते हुए देखा था। तब तक सब कुछ सामान्य था। जब तक वह वापस आया ये सब घटना हो गई।इस मामले में पुलिस के 10 अगस्त को फोरेन्सिक टीम, डॉग स्क्वायर्ड, फिंगर एक्सपर्ट को बुलाकर घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस को घर के भीतर कोई भी संदेहजनक चीज नहीं मिली।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1		■	2	■	3		4	
	■	5			■	■		■
6				■	7	8		9
	■		■	10			■	
■	11				■	12		
13		■	■	14	14ए		■	■
	■	15				■	16	■
	■		■		■	17		18
■	19			■	20			

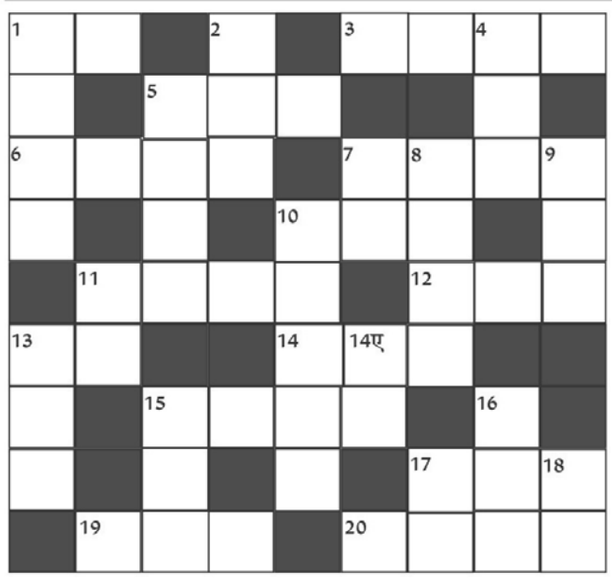

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

क्या एशिया कप में खेलते नजर आएंगे बुमराह, अक्षर–गिल उपकप्तानी के दावेदार, ऐसी दिख सकती है टीम

नई दिल्ली,13 अगस्त (एजेंसी)। एशिया कप का आयोजन टी20 प्रारूप में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में नौ से 28 सितंबर तक होना है। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति 19 या 20 अगस्त को एशिया कप के लिए टीम का चयन कर सकती है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की स्पोर्ट्स साइंस टीम सभी खिलाड़ियों का मेडिकल बुलेटिन कब भेजती है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज समाप्त होने के बाद अब सभी की नजरें अगले महीने होने वाले एशिया कप पर टिकी हुई हैं। इंग्लैंड दौरे पर कार्यभार प्रबंध चलते तीन टेस्ट खेलने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता को लेकर संशय चल रहा है, लेकिन ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वह एशिया कप में खेल सकते हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, बुमराह को इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किया जाएगा, लेकिन वह अक्तूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले शुरुआती टेस्ट का हिस्सा नहीं होंगे।

रोहित शर्मा की जगह नए टेस्ट कप्तान बनाए गए शुभमन गिल शानदार फॉर्ममें दिखे थे और अब वह अक्षर पटेल के साथ टी20 टीम की उपकप्तानी के दौड़ में भी शामिल हो गए हैं।

एशिया कप का आयोजन टी20 प्रारूप में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में नौ से 28 सितंबर तक होना है। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति 19 या 20 अगस्त को एशिया कप के लिए टीम का चयन कर सकती है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की स्पोर्ट्स साइंस टीम सभी खिलाड़ियों का मेडिकल बुलेटिन कब भेजती है, जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं, जिन्होंने बंगलूरू में नेट्स पर बल्लेबाजी शुरू कर दी है।

भारतीय टीम के चयन को लेकर कुछ मुश्किल फैसले होंगे, लेकिन भारतीय चयनकर्ता निश्चित रूप से निरंतरता बनाए रखना चाहेंगे जिसने उन्हें सूर्यकुमार के टी20 कप्तान के रूप में पदभार संभालने के बाद से बहुत सफलता दिलाई है।

इंग्लैंड के खिलाफ पिछली घरेलू सीरीज के दौरान अक्षर उपकप्तान

थे, लेकिन पिछले साल श्रीलंका दौरे पर जब सूर्यकुमार को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया था तो गिल ने उपकप्तान की भूमिका निभाई थी। यह समझा जाता है कि चयन समिति इस सेटअप में बहुत अधिक बदलाव करने के लिए उत्सुक नहीं होगी, क्योंकि अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, सूर्यकुमार, तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या शीर्ष पांच में शामिल हैं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने कहा, अभिषेक शर्मा पिछली आईसीसी रैंकिंग में दुनिया के नंबर 1 टी20 बल्लेबाज बने। संजू सैमसन ने पिछले सीजन में बल्ले और विकेटकीपिंग दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था, इसलिए यह फैसला लेना मुश्किल होगा, लेकिन मौजूदा फॉर्म को देखते हुए शुभमन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। चयनकर्ताओं के लिए समस्या यह है कि शीर्ष क्रम में कई अच्छे खिलाड़ी मौजूद हैं।

शीर्ष क्रम पर कई खिलाड़ी होने की वजह से यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन को जगह मिलना मुश्किल दिख रहा है। वनडे में विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद केएल राहुल को भी शायद ही मौका मिले क्योंकि वह मध्यक्रम पर बल्लेबाजी नहीं करते। विकेटकीपर के तौर पर सैमसन पहली पसंद हैं, लेकिन दूसरे विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा और ध्रुव जुरेल के बीच प्रतिस्पर्धा रहेगी। जुरेल पिछली टी20 सीरीज का हिस्सा थे, जबकि जितेश ने आरसीबी की खिताबी जीत में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। वह फिनिशर के तौर पर उभर रहे हैं।

तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के लिए हार्दिक पांड्या पहली पसंद बने रहेंगे, वहीं इंग्लैंड दौरे के दौरान चोटिल होने वाले नीतीश कुमार रेड्डी का समय से फिट होना मुश्किल है। इंग्लैंड के खिलाफ अच्छी वापसी करने वाले शिवन दुबे भी टीम में जगह बना सकते हैं। अक्षर और वॉशिंगटन सुंदर दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल हो सकते हैं।

भारतीय चयनकर्ताओं के सामने तेज गेंदबाजी विभाग का चयन करना आसान नहीं होगा। बुमराह और अर्शदीप सिंह की जगह पक्की है, ऐसे में तीसरे तेज गेंदबाज के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा के बीच दावेदारी रहेगी। प्रसिद्ध ने पिछले आईपीएल में 25 विकेट लिए थे, जबकि हर्षित के पास भी शानदार गेंदबाजी करने की क्षमता है।

एशिया कप के लिए संभावित भारतीय टीम इस प्रकार है...

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा, हार्दिक पांड्या, जितेश शर्मा/ध्रुव जुरेल।

क्या तेंदुलकर-एंडरसन को ट्रॉफी समारोह में आमंत्रित किया गया, गावस्कर ने इंग्लैंड पर साधा निशाना

नई दिल्ली,13 अगस्त (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच यह सीरीज एंडरसन-तेंदुलकर के नाम से खेली गई थी। पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर ने कहा कि यह उचित होता कि तेंदुलकर और एंडरसन, जो उस समय इंग्लैंड में थे, समारोह में उपस्थित होते।

भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड और भारत के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद पुरस्कार समारोह के आयोजन को लेकर इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) पर सवाल उठाए हैं। गावस्कर ने पूछा कि क्या एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के ड्रॉ होने के बाद सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन को पुरस्कार समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया था?

एंडरसन-तेंदुलकर के नाम पर खेली गई थी सीरीज

मालूम हो कि भारत और इंग्लैंड के बीच यह सीरीज एंडरसन-तेंदुलकर के नाम से खेली गई थी। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि यह उचित होता कि तेंदुलकर और एंडरसन, जो उस समय इंग्लैंड में थे, समारोह में उपस्थित होते। भारत ने ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच में छह रन से जीत दर्ज कर पांच मैचों की यह सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। उस मैच में मोहम्मद सिराज चमके थे जिन्होंने कुल नौ विकेट चटकाए थे जिसमें दूसरी पारी में पांच विकेट लेना शामिल है।

गावस्कर ने एक कॉलम में लिखा, यह क्रिकेट के दो महानत दिग्गजों, सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन के नाम पर आयोजित पहली सीरीज थी। उम्मीद तो यही थी कि दोनों कप्तानों को ट्रॉफी सौंपने के लिए मौजूद रहेंगे, खासकर जब सीरीज ड्रॉ रही। जहां तक मेरी जानकारी है, दोनों उस समय इंग्लैंड में थे। तो क्या उन्हें आमंत्रित ही नहीं किया गया? या क्या यह वैसा ही था जैसा इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में हुआ था, जब सिर्फ एलन बॉर्डर को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी प्रदान करने के लिए कहा गया था क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज जीत ली थी? चूंकि इंग्लैंड की यह सीरीज ड्रॉ रही थी, इसलिए शायद दोनों में से किसी को भी प्रस्तुति में शामिल होने के लिए नहीं कहा गया था। नाम बदलने पर भी गावस्कर ने उठाए थे सवालगौरतलब है कि गावस्कर उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने ट्रॉफी का नाम पटौदी ट्रॉफी से बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी करने पर सवाल उठाया था। इस दिग्गज बल्लेबाज ने यह भी कहा कि ट्रॉफी का नाम एंडरसन-तेंदुलकर की बजाय तेंदुलकर-एंडरसन रखा जाना चाहिए था। कड़ी प्रतिक्रिया के बाद ईसीबी ने घोषणा की थी कि विजेता कप्तान को पटौदी पदक दिया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि उनका नाम इस हाई-प्रोफाइल सीरीज से जुड़ा रहेगा।

महिला विश्व कप से पहले युवराज ने भारतीय टीम को दी सलाह, खिताब जीतने का भरोसा जताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवराज 2011 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा हैं और उनके पास घर में वैश्विक टूर्नामेंट खेलने का अच्छा अनुभव है। युवराज का कहना है कि टीम बस प्रक्रिया का पालन करती रहे, इससे ही उसे सफलता मिलेगी। आईसीसी महिला वनडे विश्व कप को शुरू होने में अब 50 दिन शेष हैं और भारतीय पुरुष टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भरोसा जताया है कि टीम इस टूर्नामेंट को जीतने की दावेदार है। युवराज 2011 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा हैं और उनके पास घर में वैश्विक टूर्नामेंट खेलने का अच्छा अनुभव है। युवराज का कहना है कि टीम बस प्रक्रिया का पालन करती रहे, इससे ही उसे सफलता मिलेगी।

युवराज ने कहा, 50 ओवर का विश्व कप भारत में होने जा रहा है और मुझे लगता है कि सभी लोग इसके लिए उत्साहित होंगे।

मेरा मानना है कि यह पल हर बार जीवन में नहीं आते हैं। मुझे लगता है कि यह इतिहास रचने का सुनहरा मौका है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप शुरुआत से ही जीतने के बारे में सोचें। आपको पूरे टूर्नामेंट का अनुभव लेना होगा। आप उस पूरे प्रक्रिया में जाएं और देखेंगे कि खुद नतीजे मिलेंगे।

युवराज ने महिला टीम का समर्थन करने का आग्रह किया

युवराज ने कहा कि अब समय आ गया है कि जिस तरह हम पुरुष टीम का समर्थन करते हैं, उसी तरह महिला टीम का भी सहयोग किया जाए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि महिला टीम ने कुछ फाइनल हारे हैं। हम भी वहां थे और यह जरूरी है कि आप उस पल का आनंद लें। आगे की सोचने बजाए उस पल में रहें। हम लोग पुरुष टीम का समर्थन करते हैं और अब समय है कि महिलाओं का भी समर्थन किया जाए।

युवराज बोले- खुद पर भरोसा रखना जरूरी

युवराज ने कहा, फैंस हमेशा चौके-छक्के लगाते देखना चाहते हैं या विकेट मिलते देखना चाहते हैं, यही खेल है।

व्यापार

सरकारी क्षेत्र के बैंकों ने पहली तिमाही में कमाया रिकॉर्ड 44 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा, एसबीआई रहा सबसे आगे

नई दिल्ली,13 अगस्त (एजेंसी)। सरकारी क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून अवधि) में रिकॉर्ड 44,218 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है। इसमें सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में सरकारी क्षेत्र के 12 बैंकों को संयुक्त रूप से 39,974 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। सरकारी बैंकों को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में हुए मुनाफे सबसे अधिक 19,160 करोड़ रुपए या 43 प्रतिशत का योगदान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की ओर से दिया गया है इसके अलावा, कई छोटे सरकारी बैंक ने शानदार प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में इंडियन ओवरसीज बैंक के मुनाफे में सालाना आधार पर 76 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है, जिससे अप्रैल-जून अवधि में बैंक का

मुनाफा बढ़कर 1,111 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, पंजाब एंड सिंध बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 48 प्रतिशत बढ़कर 269 करोड़ रुपए हो गया है। अन्य सरकारी बैंकों में बैंक ऑफ महाराष्ट्र का मुनाफा 23.2 प्रतिशत बढ़कर 1,593 करोड़ रुपए, इंडियन बैंक का मुनाफा 23.7 प्रतिशत बढ़कर 2,973 करोड़ रुपए और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का 32.8 प्रतिशत बढ़कर 1,169 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) एक मात्र सरकारी बैंक था, जिसका मुनाफा सालाना आधार पर पहली तिमाही में 48 प्रतिशत कम होकर 1,675 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 3,252 करोड़ रुपए था।सरकारी बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर बढ़ना, पीएसबी की मजबूती और विकास की ओर से लगातार प्रगति को दिखाता है। बैंकों के मुनाफे में तेज बढ़त की वजह अर्थव्यवस्था का सकारात्मक गति से आगे बढ़ना है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी की विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। वहीं, महंगाई 3.1 प्रतिशत रह सकती है।अन्य सरकारी बैंकों में बैंक ऑफ महाराष्ट्र का मुनाफा 23.2 प्रतिशत बढ़कर 1,593 करोड़ रुपए, इंडियन बैंक का मुनाफा 23.7 प्रतिशत बढ़कर 2,973 करोड़ रुपए और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का 32.8 प्रतिशत बढ़कर 1,169 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) एक मात्र सरकारी बैंक था, जिसका मुनाफा सालाना आधार पर पहली तिमाही में 48 प्रतिशत कम होकर 1,675 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 3,252 करोड़ रुपए था।सरकारी बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर बढ़ना, पीएसबी की मजबूती और विकास की ओर से लगातार प्रगति को दिखाता है। बैंकों के मुनाफे में तेज बढ़त की वजह अर्थव्यवस्था का सकारात्मक गति से आगे बढ़ना है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी की विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। वहीं, महंगाई 3.1 प्रतिशत रह सकती है।

ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ का दिखा असर, वॉलमार्ट, अमेजन समेत कई कंपनियों ने होल्ड कर दिए भारत के ऑर्डर

नई दिल्ली ,13 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद वॉलमार्ट, अमेजन, टारगेट और गैप सहित प्रमुख अमेरिकी खुदरा विक्रेताओं ने भारत से आने वाले ऑर्डर रोक दिए हैं। भारतीय निर्यातकों को पहले से आशंका थी कि टैरिफ बढ़ने से ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी खरीदारों की ओर से लेटर और ईमेल भेजे गए हैं, जिनमें कपड़ों की शिपमेंट अगली सूचना तक रोकने को कहा गया है।अमेरिकी कंपनियां चाहती हैं कि टैरिफ से बढ़ी लागत का भार भारतीय निर्यातक उठाएं।

अनुमान है कि इससे अमेरिका में बिकने वाले भारतीय सामानों की कीमत 30 से 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। वेलस्पन लिविंग, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, इंडो काउंट और ट्राइडेंट जैसे बड़े निर्यातक अमेरिका में 40 से 70 प्रतिशत तक बिक्री करते हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि ऑर्डर रुकने से भारत-अमेरिका व्यापार में 40 से 50 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। भारत से अमेरिका को सबसे अधिक कपड़े निर्यात होते हैं, लेकिन बढ़े टैरिफ के कारण ये ऑर्डर बांग्लादेश और वियतनाम को मिल सकते हैं।गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जबकि बांग्लादेश और वियतनाम पर यह सिर्फ 20 प्रतिशत है। भारत ने इस फैसले को अतार्किक बताते हुए विरोध दर्ज कराया है, लेकिन ट्रंप अपने रुख पर कायम हैं। ट्रेड डील होने तक इस विवाद के सुलझने की संभावना कम मानी जा रही है।

10 हजार रुपए महंगा हो सकता है सोना, बन रहे हैं ऐसे हालात

नई दिल्ली ,13 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ बम का एक और असर पड़ने वाला है। आशंका है कि सोना की कीमतों में 10 हजार की वृद्धि आ सकती है। दरअसल अमेरिकी सरकार ने एक किलो और 100 औंस के गोल्ड बार्स पर शुल्क लगाना शुरू कर दिया है। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव स्विट्जरलैंड और फिर भारत पर भी पड़ सकता है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस शुल्क से लंबे समय से चले आ रहे ट्रेड रूट प्रभावित हो सकते हैं और स्विट्ज़रलैंड से अमेरिका में सोने-चांदी का प्रवाह बाधित हो सकता है।अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) के 31 जुलाई के फैसले के अनुसार, ये गोल्ड बार्स अब कैटेगिरी कोड 7108.13.5500 के अंतर्गत आएंगी, जिस पर शुल्क लागू होता है। वैसे हाल के सालों में सोना दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों के लिए भी स्ट्रैटेजिक एसेट बन गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद जब रूस के विदेशी मुद्रा भंडार को फ्रीज कर दिया गया, तब से यह ट्रेंड और तेज हुआ है। बढ़ते जियोपॉलिटिकल तनाव और ट्रेड वॉर की वजह से सेंट्रल बैंक सोने को सेफ हेवन एसेट मानकर खरीद रहे हैं, जिससे इसकी कीमत बढ़ती जा रही है।वैसे सोना 8 अगस्त को ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया है। 24 कैरेट सोना का दाम 703 रुपए बढ़कर 1,01,406 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। इससे पहले गुरुवार को सोना 1,00,703 रुपए पर था।

भारत और ओमान मुक्त व्यापार समझौते पर सहमत, 2-3 माह में हो सकता है औपचारिक ऐलान

नई दिल्ली ,13 अगस्त (एजेंसी)। भारत और पश्चिमी एशियाई देश- ओमान के बीच जल्द ही मुक्त व्यापार समझौते का एलान होने के आसार हैं। एक अधिकारी ने बताया कि एफटीए होने पर दोनों देश अधिकांश व्यापारिक वस्तुओं पर सीमा शुल्क घटाएंगे या पूरी तरह खत्म कर देंगे। दोनों देशों के बीच निवेश बढ़ाने पर भी सहमति बन सकती है।भारत और ओमान के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) का एलान जल्द ही होने की संभावना है। एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि समझौते के दस्तावेज का अरबी में अनुवाद ओमान में हो रहा है। इसके बाद दोनों देशों के मंत्रिमंडल इसे मंजूरी देंगे। अधिकारी ने आगे बताया, दोनों देशों ने सैद्धांतिक तौर से समझौते का एलान और उस पर दस्तखत साथ मिलकर करने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि दो-तीन महीने से भी कम वक्त में यह सब हो जाएगा।समझौते पर 2023 में शुरू हुई बातचीतइस समझौते को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस पर औपचारिक बातचीत नवंबर 2023 में शुरू हुई थी। सीईपीए के तहत दोनों देश अधिकांश व्यापारिक वस्तुओं पर सीमा

शुल्क घटाएंगे या समाप्त करेंगे, सेवाओं के व्यापार के नियम आसान बनाएंगे और निवेश को बढ़ावा देंगेव्यापार में ओमान की भूमिकाखाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में ओमान भारत के लिए तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। भारत का जीसीसी के एक अन्य सदस्य, संयुक्त अरब अमीरात के साथ भी ऐसा ही एक समझौता है, जो मई 2022 में लागू हुआ। द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ेभारत-ओमान के बीच 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रहा। इसमें 4.06 अरब डॉलर का निर्यात और 6.55 अरब डॉलर का आयात शामिल था।भारत के ओमान से प्रमुख आयातभारत के ओमान से प्रुख आयात पेट्रोलियम उत्पाद और यूरिया हैं। ये देश के कुल आयात का 70 फीसदी से अधिक का हिस्सा हैं। अन्य प्रमुख वस्तुओं में प्रोपलीन और एथिलीन पॉलिमर, पेट कोक, जिप्सम, रसायन, और लोहा व इस्पात शामिल हैं।भारत और पश्चिमी एशियाई देश- ओमान के बीच जल्द ही मुक्त व्यापार समझौते का एलान होने के आसार हैं। एक अधिकारी ने बताया कि एफटीए होने पर दोनों देश अधिकांश व्यापारिक वस्तुओं पर सीमा शुल्क घटाएंगे या पूरी तरह खत्म कर देंगे। दोनों देशों के बीच निवेश बढ़ाने पर भी सहमति बन सकती है। भारत और ओमान के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) का एलान जल्द ही होने की संभावना है। एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि समझौते के दस्तावेज का अरबी में अनुवाद ओमान में हो रहा है। इसके बाद दोनों देशों के मंत्रिमंडल इसे मंजूरी देंगे। अधिकारी ने आगे बताया, दोनों देशों ने सैद्धांतिक तौर से समझौते का एलान और उस पर दस्तखत साथ मिलकर करने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि दो-तीन महीने से भी कम वक्त में यह सब हो जाएगा।समझौते पर 2023 में शुरू हुई बातचीतइस समझौते को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस पर औपचारिक बातचीत नवंबर 2023 में शुरू हुई थी। सीईपीए के तहत दोनों देश अधिकांश व्यापारिक वस्तुओं पर सीमा शुल्क घटाएंगे या समाप्त करेंगे, सेवाओं के व्यापार के नियम आसान बनाएंगे और निवेश को बढ़ावा देंगेव्यापार में ओमान की भूमिकाखाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में ओमान भारत के लिए तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। भारत का जीसीसी के एक अन्य सदस्य, संयुक्त अरब अमीरात के साथ भी ऐसा ही एक समझौता है, जो मई 2022 में लागू हुआ। द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ेभारत-ओमान के बीच 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रहा। इसमें 4.06 अरब डॉलर का निर्यात और 6.55 अरब डॉलर का आयात शामिल था।भारत के ओमान से प्रमुख आयातभारत के ओमान से प्रुख आयात पेट्रोलियम उत्पाद और यूरिया हैं। ये देश के कुल आयात का 70 फीसदी से अधिक का हिस्सा हैं।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया चक्काजाम

शिक्षकों की कमी से बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वनांचल क्षेत्र पसान स्थित स्वामी आत्मानंद विद्यालय में शासन प्रशासन के पर्याप्त शिक्षकों के दावों की बुधवार को पोल खुल गई। शिक्षकों की कमी से प्रभावित हो रही अध्यापन व्यवस्था से अपने भविष्य के लिए चिंतित व आक्रोशित छात्र-छात्राओं ने सड़क पर उतरकर चक्काजाम कर दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और समस्या का समाधान जल्द किया जाएगा।तब जाकर यातायात व्यवस्था बहाल हुई।

सुबह से ही छात्र हाथों में तख्तियां लेकर स्कूल से बाहर निकले और मुख्य सड़क पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द नए शिक्षकों की नियुक्ति की मांग की। जाम के कारण मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्रों को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि उनकी मांग को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और समस्या का समाधान जल्द किया जाएगा। तब जाकर चक्काजाम समाप्त हुआ। राज्य शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब प्रतिभावान बच्चों को सीबीएसई की तर्ज पर निशुल्क बेहतर शिक्षा प्रदान कर उनके भविष्य को संवारने की मंशा से प्रदेश में सैकड़ों स्वामी आत्मानंद हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय की स्वीकृति दी गई है, लेकिन इन संचालित विद्यालयों में कहीं न कहीं समय समय पर शिकायतों का सिलसिला नहीं थम रहा। कभी भवन तो कभी शिक्षकों की समस्या को लेकर इस तरह के मामले आते रहते हैं। जिससे व्यवस्थाओं पर सवाल उठते रहे हैं। शासन प्रशासन को इस ओर संजीदगी से ध्यान देना चाहिए। ताकि बच्चे एकाग्रचित्त होकर विद्यार्जन कर सकें।

परेशानी: चार दिन रद्द रहेगी तिरुअनंतपुरम एक्सप्रेस

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल में तीसरी लाइन के निर्माण कार्य के कारण कोरबा-तिरुअनंतपुरम एक्सप्रेस 4 दिनों के लिए रद्द कर दी गई है। यह काम पापटपल्ली और डोर्नकल स्टेशनों के बीच किया जाएगा। रेलवे प्रशासन ने बताया कि अधोसंरचना विकास कार्यों को जल्द पूरा करने के लिए यह कदम उठाया गया है। इस दौरान प्री-एनआई और एनआई का कार्य होगा। रेल प्रशासन ने यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद जताया है। तिरुअनंतपुरम नॉर्थ से चलने वाली गाड़ी संख्या 22648 (तिरुअनंतपुरम नॉर्थ-कोरबा एक्सप्रेस) 13 और 16 अक्टूबर को रद्द रहेगी।

वहीं कोरबा से चलने वाली गाड़ी संख्या 22647 (कोरबा-तिरुअनंतपुरम नॉर्थ एक्सप्रेस) 15 और 18 अक्टूबर को रद्द रहेगी।

एतमानगर रेंज में विचरण कर रहे 46 हाथी

किसानों की फसल को पहुंचा रहे नुकसान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के कटघोरा व कोरबा वन मंडल में बड़ी संख्या में मौजूद जंगली हाथी ग्रामीण किसानों के धान फसल को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। वन विभाग द्वारा हाथियों के उत्पात को रोकने के लिए अपनी ओर से भरपूर प्रयास किया जा रहा है। लेकिन उसमें सफलता नही मिल पा रही है। फलस्वरूप वन्य क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण किया नुकसानी सहने को मजबूर है। कटघोरा वन मंडल के एतमानगर रेंज में सर्वाधिक 46 हाथी सक्रिय हैं। जो दो झुंड में बंट कर लगातार ग्रामीणों के खेतो में पहुंच जा रहा रहे हैं और वहां लगे धान के पौधो को उत्पात मचाकर रौंदने के साथ तहस नहस कर दे रहे है। यह सिलसिला काफी दिनों से चल रहा है। जिससे ग्रामीण हलाकान है। इसी तरह जटगा में 8 तथा केंदई में 28 हाथी सक्रिय है। जिनके द्वारा लगातार फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इस बीच जीपीएम जिले के मारवाही क्षेत्र से धमके दो दंतैल हाथी पसान रेंज के जंगल में विचरण करने तथा बरदा पखना व अन्य गांव में उत्पात मचाने के बाद अब केंदई के जंगल पहुंच गए है। उत्पाती दंतैल हाथियों के क्षेत्र में पहुंचने से जहां ग्रामीणों में हडक़प मच गया है। वहीं वन विभाग की परेशानी बढ़ गई है। क्योंकि उसे विशेष सतर्कता बरतनी पड़ रही है। दंतैल हाथी कभी भी आबादी वाले क्षेत्र में पहुंच जाते है और घरों को निशाना बनाने के साथ उसे ध्वस्त भी देते है। इसलिए दंतैल हाथियों के उत्पात को रोकना वन विभाग के लिए चुनौती बन रहा है। इधर कोरबा वन मंडल के कुदमुरा क्षेत्र में विचरणरत 7 हाथियों का समूह अब चचिया से आगे बढक़र कुदमुरा जंगल पहुंच गया है। गजदल ने यहां पहुंचने से पूर्व रास्ते में कई ग्रामीणों की खेतों में धान फसल को रौंद दिया है। पीड़ित ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर नुकसानी के आंकलन में जुट गए।

जिले में टीबी के खिलाफ लड़ाई को मिली नई दिशा

नई दवा से 6 माह में होगा इलाज पूरा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में टीबी रोग के खिलाफ लड़ाई को नई दिशा देने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एक अहम कदम उठाया है। अब कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मल्टी ड्रग्स रेजिस्टेंट टीबी के मरीजों को नई दवा के माध्यम से इलाज की सुविधा मिलेगी, जिससे रोगियों को सिर्फ 6 महीनों में इलाज पूरा हो सकेगा।

पहले टीबी का इलाज कराने में मरीजों को 1 से 1.5 साल तक का समय लगता था, जिससे न केवल मरीजों को शारीरिक परेशानी होती थी, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी उन्हें नुकसान उठाना पड़ता था। अब इस नई दवा की उपलब्धता के बाद कोरबा जिले के मरीजों को इलाज के लिए बिलासपुर या रायपुर जैसे बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने से स्थानीय स्तर पर ही बेहतर उपचार संभव हो सकेगा। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार इलाज की कम अवधि और नई दवा के कारण मरीजों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा और उन्हें लंबे समय तक बीमारी से जूझना नहीं पड़ेगा। केंद्र सरकार ने वर्ष 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि इस नई दवा की शुरुआत से इस मिशन को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा। जिले में टीबी के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने जांच और उपचार को लेकर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी तय कर दी है। विभाग गांव-गांव जाकर संभावित मरीजों की पहचान और समय पर इलाज सुनिश्चित कर रहा है।

पुत्र की दीघार्यु के लिए माताएं रखेंगी हलषष्ठी व्रत

पूजन सामग्रियों की सजी दुकानें, पसहर चावल की बढ़ी डिमांड

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पुत्र की दीघार्यु, परिवार की सुख एवं समृद्धि कामना को लेकर महिलाएं हलषष्ठी के व्रत गुरुवार को रखेंगी। महिलाओं ने इसकी तैयारीयां शुरू कर दी है। पूजन सामग्रियों की बाजार में डिमांड बनी हुई है। पसहर चावल 120 रुपए किलो में बिक रहा है।

भादो कृष्ण पक्ष हलषष्ठी व खमरछठ पूजा की जाती है। इस बार हलषष्ठी व्रत गुरुवार है। महिलाएं व्रत रखकर सामूहिक रुप से पूजा कर बिना हल चले जमीन से उत्पन्न पसहर चावल अनाज व छह प्रकार की भाजी चना, होरा, महुआ, पत्ता, लाई, सुहाग, सामाग्री और भैंस के दूध, दही व घी का पूजा में उपयोग करेंगी। इसी का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण करेगी। व्रत में महिलाएं सुबह महुआ के डाली का दातून कर पूजा की तैयारी में जुट जाती है। यह प्रथा प्राचीन समय से चली आ रही है। इसके लिए बाजार में जगह जगह पूजन सामाग्री, पसहर चावल व मिट्टी के बर्तन की दुकानें सज गई है। महिलाएं समूह में हलषष्ठी की पूजा करेंगी। इसके लिए छोटा सा तालाब (सगरी) बनाएंगी। सगरी को चारों ओर से काशी और फूल पत्ते से सजाया जाता है। पंडितों का कहना है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के भाई बलराम जी का जन्म हुआ था। श्री बलराम जी का शस्त्र हल और मुसल होने के कारण इस व्रत का नाम हलषष्ठी पड़ा। इस दिन महिलाएं अपनी संतान की लंबी आयु सुख, शांति और समृद्धि के लिए व्रत रखती है। पूजा के बाद बच्चों को तिलक लगाकर पीठ पर पोतनी मारकर बच्चों में प्रसाद वितरण कर किया जाता है। इसके बाद महिलाएं स्वयं प्रसाद ग्रहण व्रत का पारण करती हैं। पूजा को लेकर बाजार में चहल-पहल बढ़ गई है।

बॉयोगैस संयंत्र स्थापना में हो रही देरी

समझौते पर हस्ताक्षर हुए हो चुके हैं 8 माह

कोरबा (छ.ग.गौरव)। समझौते पर हस्ताक्षर हुए आठ माह पूरा होने को है अभी तक नगर निगम क्षेत्र के बॉयोगैस संयंत्र की स्थापना का काम शुरू नहीं हुआ है। कोरबा नगर निगम की योजना इस संयंत्र की स्थापना बरबसपुर के कचरा डंपिंग यार्ड क्षेत्र में करने की है। इसके लिए वहीं जमीन चिन्हित किया गया है। लेकिन एमओयू के बाद अभी तक धरातल पर काम शुरू नहीं हुआ है। अब वर्षा ऋतू तक उम्मीद भी नहीं है।

कचरा से बॉयोगैस बनाने के लिए बरबसपुर में प्रस्तावित यूनिट शुरू नहीं हो सका है। पर्यावरण को साफ सुथरा बनाए रखने और ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन में कमी लाने के लिए प्रदेश सरकार ने बेहद महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। इसके तहत कोरबा, अंबिकापुर, रायगढ़, बिलासपुर, राजनांदगांव और धमतरी में बायोगैस के उत्पादन के लिए कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र की स्थापना बायो फ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए), गेल इंडिया लिमिटेड (गेल) एवं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के मध्य त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह हस्ताक्षर इस साल 17 जनवरी को राजधानी रायपुर में किया गया था। नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता दीदीयों की ओर से डोर टू डोर कचरा संग्रहण किया जाता है। रोजाना सुबह कचरा घरों से उठाकर नगर निगम के एसएलआरएम सेंटर तक रिक्शा या ई रिक्शा से लाया जाता है। यहां कचरे की सफाई होती है। प्लास्टिक या अन्य जरुरी वस्तुओं को कचरा से निकालकर बाहर एकत्र किया जाता है। शेष कचरा को नगर निगम की गाड़ी से बरबसपुर के डंपिंग यार्ड में भेज दिया जाता है। कई बार निगम के एसएलआरएम सेंटर में गीला और सूखा कचरा को भी अलग किया जाता है। हालांकि नगर निगम की ओर से स्थानीय लोगों को कहा जा रहा है कि वे गीला सूखा कचरा अलग अलग रखें। इसे एक साथ स्वच्छता दीदीयों को प्रदान नहीं करें। कोरबा जैसे शहर के लिए यह योजना काफी कारगर हो सकती है। शहर में प्रदूषण की समस्या हमेशा से गंभीर विषय रहा है। अब कचरा से बायोगैस बनाने की योजना धरातल पर उतरती है तो इससे शहरवासियों को अपना शहर साफ-सुथरा दिखाई देगा।

शाम में बारिश के बाद मौसम खुलते ही बढ़ी उमस

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मंगलवार की शाम अचानक मौसम का मिजाज बदल गया और तेज हवाओं के साथ करीब दो घंटे तक झमाझम बारिश हुई। इससे शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया। तापमान में भी ठंडक का अहसास हुआ। बुधवार सुबह मौसम खुलने और धूप निकलते ही फिर लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा।

बीते कुछ दिनों से बारिश पर लगभग ब्रेक सा लग गया था। इसकी वजह से उमस भरी गर्मी से लोग व्याकुल हो रहे थे। इस बीच मंगलवार शाम को 5 बजे से करीब सात बजे तक हुई झमाझम बारिश के बाद वातावरण ठंडक घुल गई और उमस भरी गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिली। वहीं दो घंटे की बारिश के दौरान शहर के अनेक हिस्सों और मार्गों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई थी। वहीं तेज हवा और लाइटनिंग से शहर के कई हिस्सों में बिजली बंद की समस्या से जूझना पड़ा है। हालांकि लगभग सप्ताह भर बाद देर तक बारिश के कारण लोगों को गर्मी से राहत जरूर मिली।

गोकुल नगर खरमोरा कॉलोनी में प्रकाश व्यवस्था का अभाव

अंधेरे में करना पड़ रहा आवागमन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहरी क्षेत्र के आवासीय कालोनियों की स्थिति ठीक नहीं है। बुनियादी सुविधाओं को लेकर लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। गोकुल नगर स्थित हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनी को नगर निगम के द्वारा हैंड ओवर कर लिया गया है। इसके बावजूद स्ट्रीट लाइट के अलावा अन्य मूलभूत समस्याओं का समाधान अब तक नहीं हो सका है।

कॉलोनी में रहने वाले नागरिकों ने बताया कि रात्रि में यह पूरा इलाका अंधकार में डूबा रहता है। कारण यह है कि कुछ समय पहले स्ट्रीट लाइट के आधे हिस्से को चोरों ने पार कर दिया। अब जो संख्या बची है उसमें तकनीकी फाल्ट है और इसलिए रात्रि में जब इनकी जरूरत होती है तो जलते नहीं। इसके चलते रात्रि कालीन आवागमन करना काफी मुश्किल भरा साबित हो रहा है। औद्योगिक क्षेत्र में आए दिन हादसे हो रहे हैं। इस वजह से भी यहां खतरा बना हुआ है। रात्रि में समुचित प्रकाश व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की जा रही है, लेकिन इसकी कमी यहां पर लंबे समय से बनी हुई है। लोगों ने बताया कि क्षेत्र में पक्की सडक़ जरूर है, लेकिन यह भी आधे हिस्से में ही सिमट गई है। बाकी बचे इससे में जरूर की पूर्ति के लिए कई बार नगर निगम के साथ ही प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन इसकी पूर्ति करने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता नहीं समझी गई। रात्रि में स्ट्रीट लाइट के प्रकाश नहीं देने से संबंधित समस्याएं कोरबा नगर निगम के विभिन्न क्षेत्रों में बनी हुई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-